सुविचार

अपमान का बदला लड़ाई से कभी नहीं लेना चाहिए बल्कि ऐसी सफलता अर्जन करो ताकि आपको अपमान करने वाला खुद सरमिंदा हो जाए!

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-40 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 11 नवंबर 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

जानिए लोक-सेवाओं में अवसर की समानता का अधिकार एवं अपवाद/Fundamental of Right....

भारतीय संविधान में सभी को समानता का अधिकार प्राप्त है एवं संविधान का अनुच्छेद 16 राज्य के अधीन किसी पद पर नियोजन(सेवा) या नियुक्ति से संबंधित विषयों में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समानता होगी एवं राज्य के अधीन किसी सेवा या पद के संबंध में केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, उद्भव,जन्मस्थान, निवास या इनमें से किसी के आधार पर कोई भी नागरिक अपात्र नहीं होगा ओर न उनसे विभेद किया जाएगा। लेकिन अनुच्छेद 16 के कुछ निम्न अपवाद हैं जो भारतीय संविधान में संवैधानिक होते हैं जानिए-

अपवाद क्रमांक 01(खंड-3)- संसद को यह शक्ति प्रदान करता है कि वह विधि बनाकर सरकारी सेवाओं में नियुक्ति के लिए उस राज्य में निवास की अर्हता विहित कर सकती हैं।

अपवाद क्रमांक 02(अनुच्छेद 16 खण्ड-04, 4क,4ख)- राज्य को सरकारी सेवाओं में पिछड़े वर्गों के लिए पदों के लिए आरक्षण करने की शक्ति प्रदान करता है। एवं

संविधान संशोधन,1995 द्वारा जोड़ा गया नया खण्ड 4(क) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के वर्गों के लिए सरकारी सेवाओं में प्रोन्नति में आरक्षण करने की शक्ति प्रदान करता है। एवं 81वाँ संविधान संशोधन अधिनियम 2000 द्वारा जोड़ा गया 4ख यह उपबन्ध करता है कि आरक्षित वर्गों की रिक्त पदों को अगले वर्ष या वर्षों में भरे जाने से नहीं रोकेगी एवं ऐसे वर्ग की रिक्तियों पर उस वर्ग की रिक्तियों के साथ जिनमे उन्हें भरा जाना है, आरक्षण की 50त्न सीमा के निर्धारण के प्रयोजन के लिए विचार नहीं किया जाएगा। ऐसी रिक्तियों को एक अलग वर्ग माना जाएगा एवं उन्हें अगले सालों में भरा जाएगा भले ही आरक्षण 50% से ज्यादा हो जाए।

अपवाद क्रमांक 03(अनुच्छेद 16 खण्ड 05)- इसके अंतर्गत किसी भी धार्मिक या साम्प्रदायिक संस्थाओं में किसी पद पर उसी धर्म के व्यक्ति की नियुक्ति की व्यवस्था को मान्यता प्रदान करता है एवं यह व्यवस्था संवैधानिक होगी अर्थात मंदिर में हिन्दू पुजारी को रखना,मस्जिद में मौलवी को रखना एवं गिरजाघर में पादरी को ही रखना संवैधानिक एवं न्याय-संगत होगा।

अपवाद क्रमांक 04(अनुच्छेद 1 खण्ड 06)- आय के आधार पर आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए नियुक्तियों या पदों में वर्तमान आरक्षण के अतिरिक्त प्रत्येक श्रेणी में अधिकतम 10त्न आरक्षण कर सकता है। इस प्रकार अगर कहाँ जाए कि हमे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 16 के अंतर्गत लोक सेवाओं के अवसर में समानता का अधिकार प्राप्त है लेकिन उसके उपर्युक्त वर्णित कुछ अपवाद के अनुसार।

लेखक बीआर अहिरवार(विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने भारत को एकतरफा मुकाबले में 10 विकेट से हराया

नई दिल्ली/एजेंसी। टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने भारत को एकतरफा मुकाबले में 10 विकेट से हरा दिया। ढ्ढक्क में धूम-धड़ाके वाला खेल दिखाने वाले भारतीय सितारे इस पूरे मैच में सहमे नजर आए। चलिए जानते हैं कि वे कौन से 5 फैक्टर रहे, जिन्होंने टीम इंडिया की हार की पटकथा लिखी। बड़े मैच और बड़ी टीम के खिलाफ भारतीय ओपनर केएल राहुल का फेल होने का सिलसिला जारी रहा। बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के खिलाफ राहुल ने हाफ सेंचुरी जमाई थी। इस मुकाबले में भी उन्होंने पहली गेंद पर चौका जमाया, लेकिन इसका खास फायदा नहीं हुआ। वे 5 गेंद पर 5 रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर जोस बटलर को कैच थमा बैठे।

पावर-प्ले में टुक-टुक बैटिंग

इंग्लैंड ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। तब भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि अगर वो टॉस जीतते तो भी पहले बल्लेबाजी ही करते, लेकिन मुंहमांगी मुराद पूरी होने के बाद भी भारतीय बल्लेबाजों के रुख से ऐसा लगा कि वे बहुत डरे-सहमे हैं। पावर-प्ले के 6 ओवर में भारत ने सिर्फ 1 विकेट गंवाया, लेकिन रन सिर्फ 38 बनाए। 10 ओवर तक भारत ने सिर्फ 62 रन बनाए थे।

हार्दिक के अलावा कोई नहीं कर सका पावर हिटिंग

धीमी शुरुआत के बाद भारत को आखिरी के ओवर्स में पावर हिटिंग की जरूरत थी। हार्दिक पंड्या ने जरूर इसमें कामयाबी हासिल की, लेकिन इस मामले में वो इकलौते साबित हुए। इसकी वजह यह है कि उनके अलावा कोई दूसरा बैटर यह कलेजा और कूवत नहीं दिखा सका। हार्दिक ने 190 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की, लेकिन कम से कम 15 गेंद खेलने वाला कोई भी बल्लेबाज 130 के स्ट्राइक रेट से भी बैटिंग नहीं कर पाया। कप्तान रोहित शर्मा ने 96 तो विराट कोहली ने 125 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। सूर्या ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन वे 10 गेंद खेलकर ही आउट हो गए। ऋषभ पंत भी 4 गेंद पर 6 रन ही बना सके।

किडनी ट्रांसप्लांटः मांओं ने सबसे ज्यादा दी बच्चों को किडनी, बीवियों ने अंगदान कर बचाई पति की जान

नई दिल्ली। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव कई साल से किडनी की बीमारी से पीड़ित हैं। अब उनकी जान बचाने के लिए बेटी रोहिणी अचार्य अपनी एक किडनी देने के लिए आगे आई हैं। अब उनका मेडिकल चेकअप का प्रोसेस चल रहा है। बताया जा रहा है कि लालू 20 से 24 नवंबर के बीच सिंगापुर जाएंगे, जहां उनका किडनी ट्रांसप्लांट हो सकता है। बात किडनी ट्रांसप्लांट की हो तो बेटियां, मांएं या घर की महिलाएं ही परिवार के किसी सदस्य की जान बचाने के लिए ऑर्गन डोनेशन में आगे आती हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, अंगदान दो तरह से होता है। पहले में जीवित डोनर अपनी एक किडनी, एक फेफड़ा, लिवर या आंतों का एक हिस्सा दान कर सकता है। लेकिन यह अंगदान वह सिर्फ अपने परिजन या किसी करीबी रिश्तेदार को ही कर सकता है। दूसरा मृत्यु (ब्रेन डेड) के बाद अंगदान होता है। इसमें ब्रेन डेड व्यक्ति के हार्ट, लंग्स समेत कुल 25 ऑर्गन दूसरे जरूरतमंद लोगों के काम आ सकते हैं। इससे एक इंसान अपनी मृत्यु के बाद एक साथ 9 लोगों को जिंदगी दे सकता है। कोई व्यक्ति चाहे तो सिर्फ अपनी आंखें डोनेट करने का संकल्प ले सकता है या फिर अपना पूरा शरीर भी डोनेट कर सकता है। ऑर्गन डोनेशन की चर्चा के बीच इस ग्रैफिक से जानते हैं कि दुनिया में पहली किडनी किसकी ट्रांसप्लांट की गई थी मांओं ने सबसे ज्यादा अपने बच्चों को दी किडनी, बीवियों ने अपनी किडनी देकर पति की बचाई जान अंगदान में महिलाएं पुरुषों से आगे हैं जबकि अंग पाने की स्थिति में पीछे हैं। ऑर्गन डोनेशन में यह असमानता विकासशील देशों में ज्यादा देखने को मिलती है।

तलाकः भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक का निकाह के 12 साल बाद तलाक

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक का निकाह के 12 साल बाद तलाक हो गया है। यह दावा शोएब के एक करीबी दोस्त ने किया है। तलाक की खबरों के बीच शोएब की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें वे पाकिस्तानी मॉडल आयशा कमर के साथ दिख रहे हैं। 2021 में मलिक ने आयशा के साथ बोल्ड फोटोशूट करवाया था। अब बात भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल की। भारत के बैटर पस्त, बॉलर बदहवास, फील्डर या तो दिख नहीं रहे थे, और दिखे भी तो बस गेंद से पिछड़ते हुए। रो-हिट, किंग कोहली, मिस्टर 360 डिग्री, कुंगफू पंड्या, स्विंग का किंगज बस

कहने के। बल्ला लेकर 8 खिलाड़ी मैदान पर उतरे, 6 लौट आए, टोटल 168 रन बनाकर। वो भी खींचतान कर। ये तो बात हुई भारतीय बल्लेबाजों की। अब बात कर लेते हैं हमारे गेंदबाजों की। इतने बुरे पिटे कि कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। इंग्लैंड के दो बल्लेबाज मैदान पर आए और हर ओवर में तकरीबन 10.62 के औसत से 16 ओवर में खेल खत्म कर दिया। एलेक्स हेल्स का स्ट्राइक रेट 183 था, रन 86, 4 चौके और 7 छक्के। जोस बटलर का स्ट्राइक रेट 163 था, रन 80, 9 चौके और 3 छक्के। टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में हुए टोटल 16 सेमीफाइनल में किसी टीम की ये सबसे बड़ी हार, या सबसे बड़ी जीत है। जीत-हार के लिहाज से एक रिकॉर्ड बना है और एक की बराबरी हुई है। इंग्लैंड ने भारत को हराकर सेमीफाइनल में सबसे अधिक 10 विकेट से जीत का रिकॉर्ड बनाया है। साथ ही सबसे कम ओवर में जीत की बराबरी भी की। टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने ही 16 ओवर में श्रीलंका को हराया था। 12 साल पहले, यानी 2010 में। ये मैच वेस्टइंडीज में खेला गया था।

भारत ने बनाया ताकतवर रॉकेट का इंजन

अमेरिका की धमकी पर टेक्निक देने से मुकर गया था रूस

नई दिल्ली/एजेंसी। बात 1993 की है। जब अमेरिका के धमकाने पर रूस समेत कुछ ताकतवर देश भारत को क्रायोजेनिक इंजन की टेक्निक देने से पीछे हट गए। लेकिन इन ताकतवर देशों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए भारत ने कुछ सालों की मेहनत के बाद खुद का क्रायोजेनिक इंजन विकसित कर लिया। अब 9 नवंबर को इंडियन स्पेस एंड रिसर्च आर्गेनाइजेशन यानी ISRO ने अपने सबसे ताकतवर CEw® क्रायोजेनिक इंजन का सफल टेस्ट करते हुए इस टेक्निक में एक नई ऊंचाई हासिल करने में कामयाबी पाई है। पहले स्टेज में इंजन में सॉलिड रॉकेट बूस्टर्स का इस्तेमाल होता है। इसमें इंजन में सॉलिड फ्यूल होता है। इस स्टेज के बाद जब सॉलिड फ्यूल जलकर रॉकेट को आगे बढ़ाता है तो ये हिस्सा रॉकेट से अलग होकर गिर जाता है। दूसरे स्टेज में लिक्विड फ्यूल इंजन का इस्तेमाल होता है। लिक्विड फ्यूल के जलने यानी दूसरा स्टेज पूरा होते ही ये हिस्सा भी रॉकेट से अलग हो जाता है। तीसरे और आखिरी स्टेज में क्रायोजेनिक इंजन का इस्तेमाल होता है, जो स्पेस में काम

करता है। इसे क्रायोजेनिक स्टेज भी कहते हैं। क्रायो शब्द का मतलब होता है बेहद कम तापमान। यानी ऐसा इंजन जोकि बेहद कम तापमान पर काम करे उसे क्रायोजेनिक इंजन कहते हैं। क्रायोजेनिक इंजन में फ्यूल के रूप में लिक्विड ऑक्सीजन और लिक्विड हाइड्रोजन का इस्तेमाल होता है। इसे क्रमश -183 डिग्री और -253 डिग्री सेंटीग्रेड पर स्टोर किया जाता है।

मुख्यमंत्री चौहान ने टाटा समूह के प्रमुख रतन टाटा से की सौजन्य भेंट

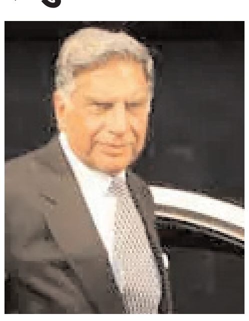

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मुंबई में श्री रतन टाटा से भेंट की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश में होने वाली इन्वेस्टर्स समिट के लिए इंदौर और साथ ही राजधानी भोपाल आने के लिए श्री टाटा को आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज निवेशकों से मुलाकात के लिये मुंबई आया था। मुझे प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश में निवेश के लिये इन्वेस्टर्स ने जबरदस्त उत्साह दिखाया है। वे मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं का दोहन करने के लिये तैयार हैं और इंदौर में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भी आ रहे हैं। निवेशकों ने मध्यप्रदेश में निवेश की जो प्रतिबद्धता जताई है, उसको देखते हुए रोजगार के अवसरों में व्यापक बढ़ोत्तरी होगी। हमारे नौजवानों को रोजगार मिलेगा। मध्यप्रदेश पर विश्वास जताने के लिये मैं सभी निवेशकों का आभारी हूँ।

जनपद चीचली ग्राम पंचायत बारहाबड़ा के सैकड़ों नागरिकों ने दिया ज्ञापन।

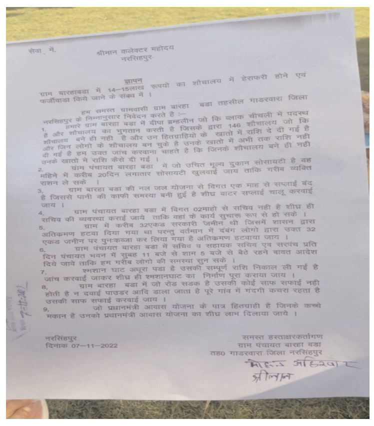

मूलचन्द मेधोनिया भोपाल मोबाइल 8878054839

चीचली। गाडरवारा-बारहाबड़ा ग्राम पंचायत के कार्यों के खिलाफ कलेक्टर को सौंपा 9सूत्रीय ज्ञापन। बारहाबड़ा जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत एवं गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला बहुत बड़ा और पुराना गांव है इस गांव में स्वच्छता संबंधी समस्याओं को लेकर, आमजन को राशन नहीं मिलने को लेकर, प्रधानमंत्री आवास में मनमाने तरीके से स्वीकृति को लेकर,ग्राम में अराजकता का माहौल बना रहने को लेकर,नल जल योजना,पंचायत कर्मियों की अनुयमितताओ को लेकर,ग्राम में शमसान घाट की कमी,शासकीय भूमि पर अवैध कब्जों सहित,गांव में विभिन्न तरह के होने वाले अनियमितताओं के खिलाफ ग्राम के नागरिकों ने आज कलेक्टर नरसिंहपुर के नाम कलेक्ट्रेट में जाकर ज्ञापन सौंपा जिसमें उन्होंने बताया कि किस तरह से ग्राम में कार्यों में अनियमितताएं हैं उक्त समय पर ग्राम के दिव्यांग,बुजुर्ग,महिला, युवा,युवती और तमाम तरह के लोग उपस्थित हुए और सभी ने अपनी जायज बातों को लेकर आवेदन दिया लगातार इस तरह की शिकायत आवेदनों के बावजूद भी अगर लोगों के कार्यों को अनसुना किया जा रहा है तो कहीं ना कहीं है बड़े स्तर पर हीलाहवाली मानी जाएगी नागरिकों ने एकजुट होकर जिस तरह से ग्राम में अच्छे कार्य करने के लिए बात रखी है निश्चित ही शासन प्रशासन और जिम्मेदार लोगों को इस तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए।

इंदौर पुलिस की घोर लापरवाही के कारण महिला की नहीं लिखी जा रही एफआईआर

इंदौर(मध्यप्रदेश)। कहते हैं कानून सबके लिए है लेकिन मध्यप्रदेश पुलिस जहाँ एफआईआर बनती है वहाँ एफआईआर दर्ज नहीं करती है और जिस अपराध में नहीं बनती बना देती है ऐसा ही मामला इंदौर थाने का है महिला राजिनी (परिवर्तित नाम) तीन महीने से भोपाल कमिश्नर ऑफिस, इंदौर कमिश्नर ऑफिस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, इंदौर पुलिस अधीक्षक एवं इंदौर तुकोगंज थाना एफआईआर दर्ज करने के लिए शिकायत कर चुकी है लेकिन महिला की शिकायत पर प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं कि गई क्योंकि आरोपी कमलेश पुरविया बहुत पैसों वाला है उसने पैसों के दम पर पुलिस थाने से कार्यवाही रुकवा रखी है जानिए मामला क्या है। पीड़ित महिला राजिनी (परिवर्तन नाम) से आरोपी कमलेश पुरविया पिता अर्जुन सिंह पता भगवानदीन नगर सपना संगीता इनॉक्स इंदौर में रहता है 2019 में मिला आरोपी एक ष्ह्य हैं और शादीशुदा होते हुए पीड़ित महिला के सम्पर्क में आया और बहलाफुसला कर धोखे से सगाई की शारीरिक संबंध बनाए एवं फर्जी शादी भी की तब पीड़ित महिला को पता चला की आरोपी शादीशुदा हैं और मेरा शारीरिक शोषण किया है तो वह छोड़कर भाग गया और सम्पर्क भी नहीं रखा महिला के साथ। महिला ने इस संबंध में पुलिस प्रशासन से मदद मांगी इंसाफ के लिए पर पुलिस द्वारा आरोपी को तीन महीने से आज तक बचाया जा रहा है तुकोगंज थाना प्रभारी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं कि जा रही है सिर्फ पीड़ित महिला को कार्यवाही के नाम पर गुमराह किया जा रहा है एक अपराध घटित होते हुए भी आरोपी को बचाना ये कैसा कानूनी न्याय हैं।

पीड़ित महिला द्वारा सूचना के तहत मांगी गई जानकारी

पीड़ित महिला ने जब सूचना की जानकारी के अंतर्गत जानकारी मांगी गई तो संबंधित थाने द्वारा तीन महीने से चल रही कार्यवाही पर अजीबो तरह से जबाब दिया बताया गया कि इतने समय से अभी तक आपकी शिकायत पर सिर्फ जाँच ही चल रही है जब पूरी होगी तो जबाब दिया जाएगा। पीड़ित महिला की सूचना की जानकारी की प्रथम अपील भी संबंधित अधिकारियों द्वारा नहीं ली गई।

ओमप्रकाश रेगर को राष्ट्रीय अखिल भारतीय रेगर महासभा ने श्रद्धांजलि दी

झालावाड़.। राजस्थान के रूपनगढ़ तहसील जिला अजमेर के नोसल गांव के ओमप्रकाश रेगर ने सुसाइड नोट बनाकर आत्महत्या मामले में पीड़ित परिवार को न्याय ढांढस बंधाने एवं मृतक ओमप्रकाश रेगर को श्रद्धांजलि देने के लिए एवं आदि कार्यक्रमों में बहुजन समाज के समाजसेवी बंधू जन समाज के दुख दर्द को अपना दुख दर्द समझने वाले देश के कई कोनों से पहुंचे भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद रावण, राष्टीय अखिल भारतीय रेगर महासभा कि प्रदेश टिम जयपुर जिला अध्यक्ष एडवोकेट गुलाबचंद बारोलिया, समाजसेवी चतर सिंह रछौया राष्टीय अखिल भारतीय रेगर महासभा पूर्व महासचिव, सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र सबल, कालूराम चांदोलिया बहुजन समाज के लोग सैकड़ों की संख्या में धरना स्थल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुपनगढ़ गांव नौसल पहुंचे बहुजन समाज के लोग उसी क्रम में झालावाड़ 4 नवंबर साय 6:00 बजे शहीद निर्भय सिंह सर्किल पुलिस परेड ग्राउंड पर हाथों में मोमबत्ती जलाकर मौन रहकर मृतक ओमप्रकाश रेगर को श्रद्धांजलि दी गई एवं निर्भय सिंह सर्किल से पैदलकैंडल मार्च के रूप में मामा भांजा चौराया पहुंचकर समापन किया गया जिसमें शामिल रहे भीम आर्मी सह संयोजक राम लखन मेघवाल बहुजन क्रांति मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित कुमार बौद्ध बहुजन समाज पार्टी जिला प्रभारी मकसूद मंसूरी मेघवाल छात्र परिषद अध्यक्ष ईश्वर मेघवाल राम लाल रेगर पत्रकार गौरव पाटोदिया असनावर पंकज मेघवाल सुरेश पीरु अंकित मेघवाल रामेश्वर बेरवा आदि बहुजन समाज लोग मौजूद रहे ओम प्रकाश रेगर अमर रहे के नारों के साथ समापन किया गया।

होशंगाबाद का आरोपी,मामा की राजनीति एवं पैसों के कारण बचा हुआ हैं जानिए- सम्पूर्ण खबर विस्तार से।

इंदौर(मध्यप्रदेश)। कहते हैं पैसे और राजनीतिक की दम पर सब कुछ होता है ऐसा ही मामला एक इंदौर तुकोगंज थाने का हैं पीड़ित महिला राजिनी(परिवर्तित नाम) ने बताया कि कमलेश पुरविया पिता अर्जुन सिंह पुरविया पता ग्राम नकटुआ(शोभापुर) तहसील सुहागपुर जिला होशंगाबाद(नर्मदापुरम) का निवासी हैं एवं आरोपी

कमलेश पुरविया के मामा का गाब ग्राम करनपुर तहसील सोहागपुर जिला होशंगाबाद हैं महिला ने बताया कि आरोपी ने शादीशुदा होते हुए भी उसके साथ इंदौर में शारिरिक संबंध बनाए एवं महिला ने इसका विरोध किया था आरोपी कमलेश पुरविया महिला की प्रताड़ित करता रहा और आपने मामा हरगोविंद सिंह पुरविया(ठेकेदार) की धमकी देता की मेरे मामा राजनीति में है एवं मेरे पास बहुत पैसे हैं पुलिस और कानून भी मेरा कुछ नहीं कर सकता है। पीड़ित महिला हिम्मत जुटा कर पुलिस के पास गई लेकिन जो आरोपी कमलेश पुरविया ने कहा था वह सत्य हो गया आज तीन महीने से पीड़ित महिला भोपाल मुख्यमंत्री निवास से लेकर इंदौर के कमिश्नर, पुलिस अधीक्षक एवं तुकोगंज थाने तक मे शिकायत कर रही है लेकिन आरोपी कमलेश पुरविया के ऊपर पुलिस प्रशासनिक के अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं कि जा रही है, महिला आज भी कार्यवाही के लिए भटक रही है , यही है पैसों और राजनीति का जलवा हैं जिसके कारण आज महिलाओं, गरीबों, निर्धन आदि व्यक्ति को इंसाफ तक नहीं मिल पा रहा हैं।

मध्यप्रदेश में फार्मा सेक्टर के विकास पर करेंगे फोकस : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोविड की कठिन परिस्थितयों में मध्यप्रदेश के फार्मास्युटिकल सेक्टर ने देश ही नहीं विदेश में बसे लोगों की भी मदद की। मानवता की दिशा में उठे इस महत्वपूर्ण कदम से मध्यप्रदेश को यह प्रेरणा मिली है कि हमें फार्मा सेक्टर को फोकस करना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कई जीवनरक्षक दवाइयाँ बना कर फार्मा सेक्टर मनुष्यों की सेवा करता है। एक क्षेत्र में एक सी सुविधाएँ प्रदान करते हुए औद्योगिक क्षेत्र को लाभान्वित करने से ज्यादा अच्छे परिणाम मिलेंगे। मध्यप्रदेश इस दिशा में सक्रिय रहेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मुम्बई में राउंड टेबल बैठक में फार्मा एण्ड मेडिकल डिवाइसेस मैन्यूफैक्चरर्स से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के राष्ट को 5 ट्रिलियन डालर की अर्थ-व्यवस्था बनाने के लक्ष्य में मध्यप्रदेश पूर्ण सहयोग के लिए संकल्पबद्ध है। मध्यप्रदेश अनेक क्षेत्र में विकास की चरम स्थिति में पहुँचने के साथ नए निवेश से समृद्धि और रोजगार वृद्धि के प्रयास कर रहा है। अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश सबसे आगे है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एक गौरवशाली, वैभवशाली और शक्तिशाली भारत के निर्माण में मध्यप्रदेश सर्वाधिक योगदान देगा। भारत की इकॉनोमी में मध्यप्रदेश का योगदान बढ़ कर 4.3 प्रतिशत हो गया है। प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 37 हजार रूपये है। प्रदेश की विकास दर देश में सबसे ज्यादा 19.76 प्रतिशत है। मध्यप्रदेश में अलग-अलग निवेश को नीति के अंतर्गत सुविधाएँ दी जाती हैं।

ससुर को अपने ही घर से बेदखल किया बहू ने।

मुकेश अहिरवार पत्रकार राजगढ़ मध्यप्रदेश

राजगढ। जिले के ब्यावरा शहर के गारद मोहल्ला निवासी महफूज खान नगर पालिका परिषद ब्यावरा कार्यालय के पीछे निवास करते हैं विगत 25 जून 2021 से अपनी पुत्र वधू और बहू की मां ने उनके मकान पर कब्जा कर अभद्र व्यवहार करते हैं महफूज खान और उनके पुत्र समीर और उनकी 9 वर्षीय छोटी बच्ची को घर से निकाल दिया तभी से महफूज खान अपना घर छोड़कर दर-दर भटक रहे हैं नरसिंहगढ़ में अपने परिचित के यहां किराये के मकान में रहते हैं इन्होंने अपनी शिकायत ब्यावरा थानाप्रभारी, ब्यावरा एसडीएम महोदय एसडीओपी कलेक्टर और एसपी मानव अधिकार आयोग तथा सीएम हेल्पलाइन 181 तक को आवेदन देकर कर अपनी समस्या से सभी को अवगत कराया किंतु इसके बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई महफूज खान का कहना है कि मेरे बेटे के विवाह के बाद से ही

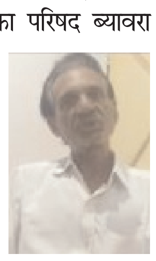

बहू परेशान करने लगी है जिसके कारण मेरा पुत्र समीर खान 10 जून 2021 से डर के कारण घर से कहीं चला गया उसके जाने के बाद अंजुम (बहू) उसकी मां को सारंगपुर से ब्यावरा बुला लिया और मेरे साथ लड़ाई मारपीट की गई और मुझे जान से मारने की धमकी देते हुए मुझे मेरे घर से निकाल दिया और कहां कि यदि इस घर में आओगे तो मैं तुम्हें पत्थर और लाठियों से पिटवा दूंगी और गंदी गंदी गालियां भी देती है और झूठे मुकदमे में फंसा दूंगी नरसिंहगढ़ में किराए के मकान में रहता हूं मेरा अन्य कोई और रहने के लिए व्यवस्था नहीं है ।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

ओबीसी महासभा के सामाजिक सम्मान एवं जन जागरण कार्यक्रम ग्राम ललपुर मे सम्पन्न हुआ

दलित, वंचित, वंचितो और किसानों के मुद्दों पर ओबीसी महासभा ने प्रकाश डाला।।

कालीचरण भारतीय छतरपुर/राजनगर। ओबीसी महासभा के सामाजिक सम्मान एवं जन जागरण कार्यक्रम ग्राम ललपुर मे सम्पन्न हुआ जिसमे छात्र छात्राओं का सम्मान किया जिन छात्रों मे अनुसूचित जाति जन जाति पिछड़े वर्ग के छात्र छात्राओं के द्वारा परीक्षा परिणामो मे अच्छे अंक लाय उन्हे सम्मानित किया ।खेल मे महाराष्ट्र- अमरावती पांच जिला पन्ना ,टीकमगढ़, दमोह, सागर, छतरपुर, पांच जिले से टीम बनी जो यूनिवर्सिटी खेलेगी, जिसमे से सागर से छह खिलाड़ियों और छतरपुर से 4 खिलाडी एवं पन्ना से 1 खिलाड़ी तथा दमोह से एक खिलाड़ी परिश्ता हिन्दुस्तानी ,रुक्सार शीशगर खेलेंगी । शहिस्ता खान को दिव्यांग क्रिकेट टीम नेशनल खेलेंगी सभी छात्रों का सम्मान किया गया.. सभी वक्ताओं रोजगार , शिक्षा , राजनैतिक चेतना की बात रखी। महात्मा बुद्ध, अम्बेडकर , ज्योति ,पेरियार की जीवनी पर विशेष प्रकाश डाला, जातिबात खत्म करने के लिए ओबीसी महासभा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार पटेल ओबीसी महासभा जिला अध्यक्ष , विशिष्ट अतिथि विनोद पटेल पूर्व प्रत्यासी बसपा राजनगर, नीरज अहिरवार पूर्व विधान सभा अध्यक्ष बसपा , रानी रेकवार महिला मोर्चा ओबीसी महासभा , राम रतन अटल जी राष्ट्रीय महासभा रजक समाज ,इंजी.ब्रजलाल कबीर जी, पप्पू कुशवाहा महाराज पुर , राजू खान जी ,राजेंद्र यादव जी नांद ओबीसी महासभा जिला महामंत्री, गुड्डे खान जी, कालीचरण अहिरवार पत्रकार एवं समाजसेवी , इमरान खान पत्रकार समाज सेवी सहित समस्त ग्राम वासी एवं ओबीसी महासभा उपस्तिथ रहें।

बाबा साहब डॉ अम्बेडकर मिशनरी गायक एस. एस. सूरवंशी सभी का मन मोह लेते हैं समाज सेवा ही उनका ध्येय है

मूलचन्द मेधोनिया भोपाल मोबाइल 8878054839

भोपाल। समाज सेवा जैसे महान कार्य को दिन रात महत्व देना। अपनी लगन, निष्ठा से जन जन में अनूठी पहचान बनाने वाले अनुसूचित जाति जिला टीकमगढ़ ग्राम बड़ा लिघोरा खास विधानसभा क्षेत्र जतारा क्रमांक 44 के जनप्रिय समाजसेवी है। जो कि हर समस्या के समाधान के लिए संघर्ष कर नागरिकों के अति प्रिय जाने जाते हैं। श्री सूरवंशी जी में विभिन्न कला कौशलता है। वह बाबा साहब डॉ अम्बेडकर जी, सतगुरु रविदास महाराज जी, और अनेक महापुरुषों पर गीत, भजन व राग गाकर सभी का दिल जीत लेते हैं। सूर्यवंशी जी अखिल भारतीय अम्बेडकर विचार मंच, भारतीय रविदास फाऊंडेशन, नशामुक्ति मिशन, दलित समाज कल्याण संस्था, अहिरवार समाज संघ एवं अनुसूचित जाति /जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ इत्यादि संगठनों के सम्मानित पदाधिकारीगण भी है। जिनकू माध्यम सेवाएं प्रदान कर भोपाल की सर जमी पर जन जन के दिल में स्थान है। श्री सूरवंशी जी सामाजिक आयोजनों और

कार्यक्रमों में अपनी शानदार गीत प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लेते हैं। श्री एस. एस. सूरवंशी जी ने ग्वालियर में आयोजित संभागीय अनुसूचित जाति सम्मेलन में अपनी अनोखी प्रस्तुत दी तो अभी हाल ही में भोपाल में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में इन्होंने सुर ताल वाद्य यंत्र के साथ बहुत ही सराहनीय प्रस्तुतियां दी। जिसकी सर्वत्र प्रशंसा की जा रही है। इनके गीतों में जन जागरण, समाज हित व मजदूरों की समस्याएं सहित विभिन्न मुद्दों के साथ ही इन वर्गों की पीड़ा के भाव होते हैं। श्री सूरवंशी जी की सेवा भाव उनके पैतृक संस्कार में ही समाहित है। सन 19 48 में सूरवंशी जी के पिता स्वर्गीय श्री हीरालाल सूरवंशी जी ÷विधायक÷ रहे। जो कि स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन में सम्मिलित रहे। उन्होंने अपने कार्यकाल में सामाजिक सेवाएं दी विशेष तौर पर अनुसुचित जाति जनजाति वर्ग के हितों की रक्षा के लिए निरंतर काम किये। परिणामस्वरूप आज एस. एस. सूरवंशी जी अपनी दिल से सेवा प्रदान कर रहे हैं। ऐसे महान सक्रियता से काम करने वाले व्यक्तित्व को जन सेवा का शासन में भी अवसर मिलना चाहिए। ताकि समाज के प्रति हर वर्ग व हर धर्म के लोगों में समन्वय स्थापित कर जनता की सेवा भाव कर सकें। श्री सूरवंशी जी के उज्जवल भविष्य की कामना की जाती है।

मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना में होगा शासकीय उचित मूल्य दुकान पर वितरण: खाद्य मंत्री श्री सिंह

भोपाल। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने बताया कि खाद्यान्न वितरण में पारदर्शिता और बिचौलिए-ठेकेदारों पर अंकुश लगाने के लिये मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना को मंत्रि-परिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना में स्थानीय युवाओं को केन्द्र से पीडीएस शॉप तक परिवहन के लिये शासन द्वारा बैंक ऋण उपलब्ध करा कर वाहन उपलब्ध कराये जायेंगे। शासन द्वारा प्रति वाहन 1.25 लाख रूपये के अनुदान के मान से 888 वाहनों पर 11 करोड़ 10 लाख रूपये अनुदान के रूप में भुगतान किये जायेंगे। खाद्य मंत्री श्री सिंह ने बताया कि प्रदाय केन्द्रों से राशन परिवहन कर उचित मूल्य दुकान तक पहुँचाने के लिये स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के लिये 7.5 मीट्रिक टन क्षमता के अधिकतम 25 लाख रूपये कीमत का वाहन दिलवाया जायेगा। इससे अधिक राशि का वाहन क्रय करने पर हितग्राही को शेष राशि का भुगतान करना होगा। कीमत के 10 प्रतिशत डाउन पेमेंट के लिये 1.25 लाख रूपये राज्य शासन द्वारा और 1.25 लाख रूपये हितग्राही द्वारा भुगतान किये जायेंगे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि 3 हजार क्विंटल सामग्री का प्रतिमाह 4 हजार किलोमीटर के मान से प्रति वाहन परिवहन अनुमानित है। वाहन मालिक प्रतिमाह 15 से 20 कार्य दिवस के अलावा शेष दिनों में वाहन का निजी उपयोग कर सकेंगे, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय होगी।

सिस्टम

खुद पर यकीन इरादे ओर सिस्टम से मेरी लड़ाई है
इस शहर के लोग बेबजह हीं मेरे खिलाफ है

मे तो दिया हु यकीन मेरी दुश्मनी अंधेरों से है
दूषित हबा तो बेबजह हीं दिये के खिलाफ है

मेरी अबाज को दबाई कुचली जा सकती है
इसलिए तो कफान भी चादर के खिलाफ है

कृष्ण ने कहा सचाई इंसाफ से क्यो डरते हो
मेरी लड़ाई कोरबों से यद्ध के लिए सब खिलाफ है

हारना तो तय है जब लड़ाई अपनों से हो
इसलिए समंदर भी छोटी नादियों के खिलाफ है

मे तो बर्फ हु यकीन मेरा अतीत भी पानी है
इसलिये तो हबा ओर गर्मी बर्फ के खिलाफ है

मोहन मांडरे
विदिशा

ग्राम चीकली के युवक हल्के वीर ने ग्राम में पानी की जटिल समस्या के निराकरण के लिए क्षेत्रीय सांसद महोदय राव उदय प्रताप सिंह जी को सौंपा ज्ञापन

रामेश्वर नरवरिया रायसेन

आजादी के 75 साल हो गए हैं पर कहीं-कहीं लोगों को शुद्ध पीने का पानी भी नसीब नहीं हो पा रहा ऐसा ही एक गांव है जिला रायसेन के तहसील देवरी का ग्राम चीकली(टोला) मैं लोग 30 वर्षों से निरंतर पानी की समस्या से जूझते हुए आ रहे हैं। ग्राम के युवकों के माध्यम से तहसील देवरी में तहसीलदार महोदय को पानी की समस्या को लेकर कलेक्टर महोदय जिला रायसेन को भी ज्ञापन दिया गया था, पर अभी तक कोई भी निर्णय नहीं आया है ग्रामीण हमेशा से पीने के पानी की समस्या को लेकर परेशान रहते हैं लगभग 30 वर्ष होने के बाद भी यहां पर पानी की समस्या को लेकर कोई भी निराकरण नहीं किया गया है ग्रामीण वासियों को पीने के पानी का माध्यम सिर्फ एक ही है स्वशासी कुआं इसी के माध्यम से वह 1 किलोमीटर खेतों में जाकर पानी लेकर आते हैं दैनिक जीवन में पानी को अमूल्य माना गया है पर ग्राम चीकली के निवासी इन सब चीजों से परे हैं बारिश के मौसम में भी कुआं से पानी लाना दुर्लभ हो, जाता है यहां पर माताएं अपने बच्चों को गोद में उठाए हुए कुआं से पानी भरने जाती है और शासन प्रशासन को किसी भी तरीके का कोई लगाव नहीं है खेतों में बना एक ही कुआं है जोकि गर्मियों के दिनों में सूख जाता है किसी भी तरह ग्रामीण अपना काम चला रहे है पर यह हमेशा के लिए संभव नहीं है, यहां पर लगभग

200 परिवार निवास करते हैं इन्हीं की समस्याओं को लेकर ग्राम के युवक हल्के वीर द्वारा क्षेत्रीय सांसद राव उदय प्रताप सिंह जी को पानी के निराकरण के लिए ज्ञापन दिया। आशा की गई कि पानी की समस्या का जल्द से जल्द निराकरण हो। यहां पर एक ही हैंडपंप है पूरे ग्राम में जिसमें पानी की प्रत्येक परिवार को पूर्ति नहीं हो पाती है। प्रत्येक ग्रामीण परिवार को पानी की समस्या के निराकरण के लिए नल जल योजना चलाई गई है पर ग्राम चीकली में अभी तक नल जल योजना का काम शुरू नहीं किया गया है अधिकारियों से बात करने के बाद 1 महीने 2 महीने कहकर बात को टाल दिया जाता है। इन्हीं आशाओं के साथ ग्राम की युवक के माध्यम से ग्राम में पानी की समस्या का जल्द से जल्द निराकरण हो इसके लिए आवेदन दिया गया अप ग्रामीण आशा लगाए हुए हैं कि गांव में जल्द से जल्द पानी की समस्या का निराकरण हो जाएगा।

असामाजिक तत्वों द्वारा बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा को क्षति पहुंचाने का प्रयास

उदयपुरा। मध्यप्रदेश शासन में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय डॉ राम चौधरी जी से की मुलाकात। दिनांक 8/ 11/ 2022 को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भवन उदयपुरा जिला रायसेन में स्थापित भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न परम पूज्य डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा को रात्रि में असामाजिक तत्वों द्वारा क्षति पहुंचाने का प्रयास किया गया, जिसमें सामाजिक लोगों द्वारा माननीय तहसीलदार महोदय, एवं थाना प्रभारी महोदय, को कलेक्टर महोदय के नाम दिए गए ज्ञापन में मांग की गई थी कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए एवं अंबेडकर भवन की बाउंड्री वॉल को ऊंची कर तार फेंसिंग की जाए तथा सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं। स्थानीय प्रशासन प्रशासन की सजगता के कारण तत्काल एफ आई आर दर्ज

की गई एवं बाउंड्री वाल तथा सीसीटीवी कैमरे लगाने का आश्वासन भी दिया गया था यह सब जानकारी बाकरोल उपरोक्त घटना के संबंध में माननीय जी को अवगत कराया गया। श्रीमान कलेक्टर महोदय रायसेन,रमन वामने प्रवक्ता समण संघ भारत,वालकिशन नरवरिया, राहुल चौधरी, निरोत्तम वंशकारव अन्य साथी गण।

चलो अब भारत जोड़ो। चलो अब भारत जोड़ो।
चलो अब भारत जोड़ो। चलो अब भारत जोड़ो।
भारत है हम सबका देश, भिन्न भले ही हैं परिवेश।
भारत को अब खंड खंड में करना छोड़ो।
चलो अब भारत जोड़ो। चलो अब भारत जोड़ो।
आज़ादी की लड़ी लड़ाई, हम सब मिलकर एक थे।
सब की मनसा अच्छी थी,और सबके इरादे नेक थे।
बंधे पाश में जिस नफ़रत के उसको तोड़ो।
चलो अब भारत जोड़ो। चलो अब भारत जोड़ो।
उच्च करो शिक्षा का स्तर, खत्म करो वे रोजगारी।
अवसर मिले नए युवा को, मिले नौकरी सरकारी।
अब अपने मन की दृष्टि को आगे मोड़ो।
चलो अब भारत जोड़ो, चलो अब भारत जोड़ो।

कवि आशीष चौहान
बाड़ी जिला रायसेन मध्य प्रदेश।

सीएम चौहान के नेतृत्व में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है प्रदेश: स्वास्थ्य मंत्री

❑ रायसेन

रायसेन स्थित वन परिसर में आयोजित 67वां मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह के तहत जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह का सहकारिता एवं प्रभारी मंत्री डॉ अरविंद भदौरिया, स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा कन्यापूजन और दीप प्रज्जवन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सिलवानी विधायक रामपाल सिंह, भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन भी उपस्थित थी। कार्यक्रम के प्रारंभ में मध्यप्रदेश गान का भी गायन किया गया।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री डॉ अरविंद भदौरिया ने कहा कि सरकार द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास और कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, कोई भी जरूरतमंद योजनाओं के लाभ से वंचित ना रहे, इसके लिए मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत गॉव-गॉव में, वार्ड-वार्ड में शिविर लगाकर आवेदन लिए गए और उन पर कार्यवाही कर पात्र लोगों को योजनाओं से लाभान्वित किए जाने का काम किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री डॉ भदौरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में हमारा मध्यप्रदेश विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है। प्रदेश की विकास दर 19 प्रतिशत से अधिक है जो कि देश में सबसे ज्यादा है। यह प्रदेश सरकार की विकास नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चौहान द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना, स्वरोजगार योजनाएं, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं सहित अनेकों योजनाएं प्रारंभ की गई है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब मेडीकल की पढ़ाई हिन्दी माध्यम में की जा रही है। इसके अलावा सीएम राईज स्कूल खोले जा रहे हैं। प्रतिमाह रोजगार दिवस मनाया जा रहा है, जिसमें हजारो-लाखों युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में हमारा मध्यप्रदेश, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के 67वे स्थापना दिवस पर एक नवम्बर से सात नवम्बर तक विविध कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और आज पुरस्कार वितरित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के लिए, बालिकाओं के लिए, महिलाओं के लिए, किसानों के लिए, वृद्धजनों के लिए, प्रत्येक वर्ग के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि हमारा प्रदेश विकास के मामले में देश में पहले स्थान पर रहे और हमारा रायसेन जिला भी विकास के मामले में पहले स्थान पर रहे, इसके लिए हम सभी को मिलकर काम करना है। सिलवानी विधायक रामपाल सिंह ने कहा कि हम सभी को मिलकर प्रदेश का गौरव बढ़ाना है। प्रदेश को, जिले को पहले स्थान पर लाना है। प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों के कारण आज प्रदेश तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

बेटा-बेटियों को बेहतर से बेहतर शिक्षा मिले, इसके लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। किसानों की आय में वृद्धि के लिए, कृषि उपज के उत्पादन में बढ़ोत्तरी के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सिंचाई के रकबे में लगातार वृद्धि की जा रही है। किसानों को उन्नत खेती का प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। इसके अलावा युवाओं को, महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। कार्यक्रम में भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सरकार द्वारा विकास के साथ-साथ सामाजिक सरोकार से जुड़ी योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना से बेटियों के प्रति सोच में बदलाव आया है। सरकार द्वारा सभी को आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से लोगों को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, रोजगार से जोड़ा जा रहा है। विधायक पटवा ने कहा कि मध्यप्रदेश को विकास के मामले में पहले स्थान पर लाना है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा कलेक्टर अरविंद दुबे ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विकास शहवाल, अपर कलेक्टर आदित्य रिछारिया, जिला पंचायत सीईओ पीसी शर्मा सहित अन्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में जिले में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह के तहत आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

नरसिंह पुर जिले के किसान नेता जगदीश पटेल बैठक में हुए शामिल

मूलचन्द मेधोनिया भोपाल मोबाइल 8878054839

गाडरवारा। जिला - नरसिंहपुर संयुक्त किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक भोपाल में शाकिर भवन मे आज 10नवंबर को रखी गई जिसमें नरसिंह पुर जिले से संयुक्तकिसान मोर्चा एसकेएम की ओर से मध्यप्रदेश किसान सभा के जगदीश पटेल ने हिस्सेदारी की। एवं जिले की ओर से प्रदर्शन में हजारों की संख्या में पहुंचने की बात रखी।ससंयुक्तकिसानमोर्चे के देशव्यापी आह्वान पर 26 नवम्बर किसान करेंगे राजभवनपरप्रदर्शन संयुक्त किसान मोर्चे के देशव्यापी आव्हान के तहत मध्यप्रदेश के किसान भी 26 नवम्बर को मप्र के राजभवन पर प्रदर्शन करेंगे।

प्रदर्शन के पहले किसान भोपाल के हृदय स्थल यादगार-ए-शाहजहानी पार्क में इकट्ठा होंगे और वहां से जलूस बनाकर राजभवन जाएंगे। इस प्रदर्शन की तैयारी पर चर्चा करने के लिए आज संयुक्त किसान मोर्चे के मध्यप्रदेश के घटक संगठनों की एक बैठक एआईकेएस (अजय भवन) के कार्यालय शाकिर सदन में हुयी और इस प्रदर्शन को सफल बनाने की निर्णय लिया गया। इस प्रदर्शन के साथ संयुक्त किसान मोर्चे की देश तथा प्रदेश स्तरीय मांगों के साथ अलग अलग जिलों के किसानो के प्रमुख मुद्दों से जुड़े ज्ञापन भी सौंपे जाएंगे। एआईकेएस (अजय भवन) के नेता प्रहलाद बैरागी की अध्यक्षता में हुयी इस बैठक में किसान संघर्ष समिति के डॉ सुनीलम, मप्र किसान सभा के अध्यक्ष बादल सरोज, भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव, एआईकेकेएमएस के मनीष श्रीवास्तव, किसान जाग्रति संगठन के इरफान जाफरी, जागृत आदिवासी दलित संगठन की माधुरी कृष्णास्वामी, मप्र आदिवासी एकता महासभा के बुध्दसेन सिंह गोंड, लालता प्रसाद कोल के अलावा मप्र किसान सभा के अशोक तिवारी, रामनारायण कुररिया, प्रेमनारायण माहोर, अरुण चौहान, सुरेंद्र जैन, एआईकेएस (अजय भवन) के जनक राठौर, भारतीय किसान श्रमिक जनशक्ति यूनियन के संदीप ठाकुर, अखिल भारतीय क्रांतिकारी किसान सभा के राजमणि प्रसाद मिश्रा, गुरुप्रसाद कोल, ओबीसी महासभा के एडवोकेट विश्वजीत रतौनिया, लोकेन्द्र गुर्जर, बीकेयू (टिकैत) के सुभाष मल्होत्रा उपस्थित थे। एकजुटता के रूप में एटक के राज्य महासचिव एस एस मौर्या तथा सीटू के वरिष्ठ नेता गिरिजेश सिंह सेंगर भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री चौहान ने श्री दत्तोपंत जी ठेंगड़ी की जयंती पर नमन किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री दत्तोपंत जी ठेंगड़ी की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री दत्तोपन्त जी ठेंगड़ी राष्ट्रवादी विचारधारा के ट्रेड यूनियन नेता, भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच और भारतीय किसान संघ के संस्थापक थे। राष्ट ऋषि श्रद्धेय श्री ठेंगड़ी का जन्म 10 नवम्बर 1920 को महाराष्ट के वर्धा जिले के आर्वी ग्राम में हुआ। उन्होंने लगभग 200 से अधिक पुस्तकें लिखी और सैकड़ों प्रतिवेदन प्रकाशित किये। आपके आलेख पत्रङ्कपत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे। श्री ठेंगड़ी जी ने अनेक अवसरों पर मध्यप्रदेश और विशेष रूप से भोपाल का प्रवास किया। भोपाल में डिपो चौराहे के निकट ठेंगड़ी भवन उनकी स्मृति का प्रतीक है। पुणे में दत्तोपंत जी ठेंगड़ी का 14 अक्टूबर 2004 को महानिर्वाण हुआ। उनके विचार, वर्षों तक देश भक्तों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

मैं हूं झारखंड

जोहार,नमस्कार,सलाम,प्रणाम
नमन,वंदन आपका अभिनंदन।
मैं हूं देश का 28 वां राज्य झारखंड।
झार-जंगल,नदी-नालों, वन-पहाड़ों
से आच्छादित प्रदेश झारखंड।
हां,मैं हूं झारखंड,मैं हूं झारखंड ।।
मेरी प्राकृतिक धरा है निराली
चारों तरफ हरियाली ही हरियाली ।
हुआ जो आगमन आपका एक बार
दिल करेगा आने को बार-बार।
सुंदर,मनोरम और आकर्षक
है मेरी प्राकृतिक छटा
मनभावन है नेतरहाट की वादियों की घटा।
कुज्जू,मांडू,चुटूपालु,पतरातु जैसे
सुरम्य और दुर्गम है घाटियां
विश्व प्रसिद्ध सम्मेद शिखर है
यहां की सर्वोच्च चोटी
जहां निर्वाण प्राप्त किए भगवान पार्श्वनाथ
वो थे जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर।
पर्यटन और तीर्थाटन में भी
मेरी अलग पहचान है।
छिन्नमस्तिका,भद्रकाली,द्वादश ज्योतिर्लिंग
के रूप में बाबा बैजनाथ धाम है।
मसानजोर डैम,खंडोली,तिलैया
और मैथन का भी नाम है।
झर-झर गिरते झरना,हुंडरू ऊसरी,
बूढ़ाघाघ,जोन्हा जलप्रपात है।
गर्म जल के झरना सूर्यकुंड भी विद्यमान है।
शंख,कोयल,स्वर्णरेखा,दामोदर
सकरी,उसरी,बराकर नदियां भी महान है।
बेतला,हजारीबाग नेशनल पार्क
रमणीय बिरसा उद्यान है।
गौतम बुद्धा,पार्श्वनाथ,पालकोट,दलमा
जीव अभयारण्य सहित उधवा पक्षी विहार है।
खनिज संपदा में है निपुण,
यहां तांबा,कोयला,अभ्रक की खान है।
भारत का रूर हूं दुनियां में मशहूर हूं,
खनन में रखता स्थान है।
झारखंडी संस्कृति की अलग ही पहचान है।
छऊ,पाईका,नटुवा,झूमर
यहां का लोकनृत्य व गान है।
करम,सरहुल,जीतिया,टुसू पर्व सोहराय है।
पुटुस,बेर,तितभंत,बांस झाड़ी यहां का खास है।
सखुआ,सेमल,केंदु,पियार,
कटहल,जामुन, महुआ जैसन पेड़
फूलों में चमकोर और पलास है।
मोर,पपीहा,कोयल की
बागों में सुनाई देती मधुर तान है।
हाथी,भालू,बंदर,सूअर,हिरण
बढ़ाते जंगलों की शान है।
खेल जगत में भी दिया है हमने महान धरोहर
जयपाल सिंह मुंडा जैसे हॉकी के जादूगर।
तीरंदाजी में दीपिका कुमारी है महान धनुर्धर
महेंद्र सिंह धोनी जैसे विश्वविख्यात क्रिकेटर।
शोषण के विरुद्ध उलगुलान
भी हुआ इस धरती से
शहीद हुए कई स्वतंत्रता सेनानी
सिद्धु,कान्हो,चांद,भैरव
बिरसा सहित तिलका मांझी।
मेरी स्थापना हुई सन् दो हजार ई.
वो दिवस था पावन 15 नवंबर।
आज ही के दिन जन्म हुआ था
भगवान बिरसा मुंडा का
मुझे भी सुअवसर मिला
बिहार से अलग होने का।
तब मुझे मिला था 18 जिलों की सौगात
आज 24 जिलों की रखता हूं औकात।
झारखंड की चौहदी भी है कमाल
उत्तर में बिहार,दक्षिण में है उड़िसा
पश्चिम में यूपी और छत्तीसगढ़
पूरब में है पश्चिम बंगाल।
प्रथम मुख्यमंत्री बने बाबूलाल मरांडी
किए तीसरी दुनियां का नाम रोशन
डॉ प्रभात कुमार बने प्रथम राज्यपाल
विस.अध्यक्ष बने इंद्र सिंह नामधारी।
राँची बनी राजधानी,दुमका उपराजधानी।
अर्जुन मुंडा,मधु कोड़ा,दिशोम गुरु शिबू सोरेन,
हेमंत सोरेन सभी बने सीएम झारखंडी
पहली बार रघुवर दास बने मुख्यमंत्री
गैर आदिवासी गैर झारखंडी।
विकास की गति में रफतार हुआ
पुल,पुलिया,सड़क का निर्माण हुआ ।
कौशल निर्माण के क्षेत्र में सृजन रोजगार हुआ।
आतंकवाद पर कुछ लगाम हुआ।
मिटा न भय,भूख,भ्रष्टाचार
बढ़ी गरीबी,मंहगाई,युवाओं की बेरोजगारी
पर अब स्थिर हुई सरकार।
बढ़ी आशाएं और अपेक्षाएं
बढ़ने लगे रोजगार के आसार।अनुबंध के आयाम
बढ़े,प्रबंध के खुले द्वार।
शिखा,स्वास्थ्य,सुरक्षा की, सर्वजन रक्षा की
न हो हर बात संविदा की।
जनहित की बात हो,बात हो मानवता की।
हो सम्मान कलमकारों की,बढ़े मान लेखनी की।
स्थापना हो झारखंड में साहित्य अकादमी की।
विकास की बात बताने चली
आपकी योजना,आपकी सरकार
आपके द्वार,झारखंड सरकार।
धन्यवाद भीम!,पुनः पधारें झारखंड एक बार।

भीम कुमार
नगवां,गावां,गिरिडीह, झारखंड
(मौलिक,स्वरचित व अप्रकाशित)

संपादकीय

जागरूकता से ही होगा कैंसर पर नियंत्रण

कोरोना महामारी के प्रकोप को नियंत्रित करने के बाद से सरकार ने एक बार फिर से उन बीमारियों को काबू करने की तरफ ध्यान केंद्रित किया है, जो देश की एक बड़ी आबादी को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों में कैंसर प्रमुख है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स ऐंड रिसर्च (एनसीडीआईआर) की नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम रिपोर्ट-2020 के अनुसार, देश में लगभग 16 लाख कैंसर के मरीज हैं। 2025 तक यह आंकड़ा 12 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। हालांकि समय रहते इसका इलाज संभव है, लेकिन जरा-सी लापरवाही और जागरूकता की कमी पर यह इंसान को मौत के मुंह में धकेल देता है। हालांकि वैश्विक स्तर पर प्रति वर्ष चार फरवरी को विश्व कैंसर जागरूकता दिवस मनाया जाता है, लेकिन भारत में इसे नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम क्यूरी के जन्मदिन सात नवंबर को मनाया जाता है। वर्ष 2022-2024 में कैंसर का थीम क्लोज द केयर गैप रखा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वैश्विक स्तर पर कैंसर मौत का दूसरा प्रमुख कारण है। भारत में हर साल लोगों को मुफ्त कैंसर जांच के लिए केंद्र से लेकर नगरपालिका के अस्पतालों तक में जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वहां पहुंचकर वे अपनी प्रारंभिक जांच करा सकें। अगर कोई लक्षण पाया जाता है, तो तुरंत जांच कराने की सलाह दी जाती है, ताकि रोगी शीघ्र उपचार करवा कर रोगमुक्त हो सके। कैंसर शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है। फेफड़े, प्रोस्टेट, पेट एवं यकृत का कैंसर पुरुषों में सबसे आम है, जबकि स्तन या थायराइड का कैंसर महिलाओं में सबसे आम है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में भी कैंसर रोगियों की संख्या देखी जा सकती है। कुछ माह पहले जम्मू कश्मीर के सांबा जिले के आयुक्त कार्यालय में कैंसर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया था। इसका उद्देश्य आशा वर्करों को कैंसर से जुड़े लक्षणों से परिचित कराना था, ताकि वे ग्रामीण महिलाओं में होने वाले स्तन कैंसर की पहचान कर संबंधित महिला को इलाज के लिए प्रेरित कर सकें। केंद्र सरकार की ओर से कठुआ जिले में टाटा मेमोरियल कैंसर संस्था की शाखा स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि इस क्षेत्र के कैंसर मरीजों को इलाज के लिए राज्य से बाहर भटकना न पड़े। जम्मू-कश्मीर में भी कैंसर के मरीजों की संख्या कुछ कम नहीं है। वर्ष 2018 से 2020 तक की रिपोर्ट के अनुसार, 21 हजार से अधिक लोगों की कैंसर से मृत्यु हुई है। यह आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है।

गुजरात में सिर्फ विजय नहीं बल्कि बड़े अंतर से जीत हासिल करने की तैयारी में है भाजपा

पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा ने ढाई फीसदी वोट प्रतिशत का इजाफा करते हुए 41.4 प्रतिशत वोट के साथ स्पष्ट बहुमत से 7 सीटें अधिक लेकर 99 सीटें हासिल की एवं सरकार बनायी। उस समय भी मोदी के ही जादू ने असर दिखाया, जादू तो इस बार भी मोदी ही दिखायेंगे। लेकिन एक प्रभावी नेतृत्व एवं आपसी फूट के कारण भाजपा की स्थिति जटिल होती जा रही है। गुजरात में आदिवासी मतदाता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, आदिवासी समुदाय के मुद्दों की उपेक्षा एवं आदिवासी नेताओं की उदासीनता के कारण इस बार भी यह समुदाय नाराज दिख रहा है। सीटों के बंटवारे के समय उचित एवं प्रभावी उम्मीदवारों का चयन करके इस नाराजगी को दूर किया जा सकता है।

चुनाव आयोग द्वारा गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गयी हैं। किसी भी राष्ट्र एवं प्रांत के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाती है। गुजरात की जनता इन चुनावों में किसको तिलक करेगी, यह भविष्य के गर्भ में है। भले ही 1995 से ही भाजपा लगातार मजबूती से चुनाव जीतती रही है, क्या इस बार भी वह यह इतिहास दोहरायेगी? कांग्रेस यहां सफल एवं सक्षम प्रतिद्वंद्वी रही है, पिछली बार सत्ता के करीब पहुंचने में वह एक बार फिर चुकी थी, क्या इस बार वह ऐसा कर पायेगी? आम आदमी पार्टी दिल्ली जैसा कोई चमत्कार घटित कर पायेगी?

इन सवालों के बीच मुख्य टक्कर तो इस बार भी भाजपा एवं कांग्रेस के बीच है, तीसरे मजबूत दल के अभाव को दूर करते हुए आम आदमी पार्टी अपनी उपस्थिति से भाजपा एवं कांग्रेस दोनों को ही कड़ी टक्कर दे रही है। दोनों ही दलों की इस बार राह कुछ ज्यादा कठिन जान पड़ती है, क्योंकि आप की सफल दस्तक से यहां का चुनावी समीकरण बदलता दिख रहा है, यह चुनाव त्रिकोणात्मक होता दिख रहा है। आप नेता अरविंद केजरीवाल कई महीनों से उग्र प्रचार कर रहे हैं, जिसका असर भी दिखने लगा है। झाड़ू लोगों का भरोसा जीत पाएगी या नहीं, यह कह पाना मुश्किल है। इस बार का चुनाव मजेदार होने के साथ संघर्षपूर्ण होगा, इसमें कोई सन्देह नहीं है। चुनावों का नतीजा अभी लोगों के दिमागों में है। मतपेटियां क्या राज खोलेंगी, यह समय के गर्भ में है। पर एक संदेश इस चुनाव से मिलेगा कि अधिकार प्राप्त एक ही व्यक्ति अगर ठान ले तो अनुशासनहीनता एवं भ्रष्टाचार की नकेल डाली जा सकती है। लोगों का विश्वास जीता जा सकता है। सुशासन स्थापित किया जा सकता है। 182 विधानसभा सीटों की यह

विधानसभा क्या एक बार फिर भाजपा को सत्ता पर बिठायेगी? यह प्रश्न राजनीतिक गलियारों में सर्वाधिक चर्चा में है। भले ही त्रिकोणात्मक परिदृश्यों में भाजपा की राह भी संघर्षपूर्ण बन गयी है। क्योंकि इस बार के चुनाव नये परिवेश एवं नवीन स्थितियों के बीच त्रिकोणीय होंगे। यहां के पिछले उप-चुनाव भी त्रिकोणीय संघर्ष के संकेत दे रहे हैं। मगर इस संघर्ष में एक तरफ भाजपा है, तो दूसरी तरफ आप और कांग्रेस। मौजूदा स्थिति यही उजागर कर रही है कि यहां भाजपा व दूसरी पार्टियों के बीच सीधा मुकाबला है। यहां के मतदाता भाजपा, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित हैं। इसीलिए नजर इस बात पर होगी कि गुजरात चुनावों में दूसरे और तीसरे पायदान पर कौन-सी पार्टी कब्जा करती है? भले ही स्थानीय निकाय के चुनावों में, खासकर सूरत के इलाकों में आप ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उसे नई ऊर्जा मिली है, मगर यह जोश जीत में कितना बदल पाएगा, इस बारे में अभी कुछ भी कहना मुश्किल है।

पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा ने ढाई फीसदी वोट प्रतिशत का इजाफा करते हुए 41.4 प्रतिशत वोट के साथ स्पष्ट बहुमत से 7 सीटें अधिक लेकर 99 सीटें हासिल की एवं सरकार बनायी। उस समय भी मोदी के ही जादू ने असर दिखाया, जादू तो इस बार भी मोदी ही दिखायेंगे। लेकिन एक प्रभावी नेतृत्व एवं आपसी फूट के कारण भाजपा की स्थिति जटिल होती जा रही है। गुजरात में आदिवासी मतदाता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, आदिवासी समुदाय के मुद्दों की उपेक्षा एवं आदिवासी नेताओं की उदासीनता के कारण इस बार भी यह समुदाय नाराज दिख रहा है। सीटों के बंटवारे के समय उचित एवं प्रभावी उम्मीदवारों का चयन करके इस नाराजगी को दूर किया जा सकता है। आदिवासी समुदाय ऐसा उम्मीदवार चाहता है जो उनके हितों की रक्षा करें एवं आदिवासी जीवन को उन्नत बनाये। इन दिनों आदिवासी संत गणि राजेन्द्र विजयजी का नाम भी उम्मीदवारों की सूची में होने की चर्चा है। ऐसे ही उम्मीदवारों से आदिवासी समुदाय के वोटों को प्रभावित किया जा सकता है।

गुजरात चुनाव में मुद्दे तो बहुत से हैं। मुख्य मुद्दा तो मोरबी में हुआ पुल हादसा बन सकता है। जाहिर है, विपक्ष इसे चुनावी मुद्दा बनाकर भाजपा पर तीखे वार करेगा। यहां आम मतदाताओं में सत्तारुढ़ दल के प्रति कुछ असंतोष दिखाई देता है। खासकर पेंशन योजना को लेकर, क्योंकि यहां सरकारी कर्मचारियों की संख्या काफी ज्यादा है, जो चुनाव में तुलनात्मक रूप से कहीं ज्यादा असरकारक होते हैं। यही वजह है कि हर चुनाव में यहां सरकारी कर्मचारियों के मूड को भांपने का प्रयास किया जाता है। नाराज कर्मचारियों एवं उपेक्षित आदिवासी समुदाय- इन दो मुद्दों पर सकारात्मक सोच से भाजपा अपनी कमजोर जड़ों की काट कर सकती है। अब तो चुनावी टिकटों का बंटवारा ही एकमात्र हल है। भाजपा ने इसके खिलाफ भी कमर कस ली है। उसने करीब एक-तिहाई मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया है और नए चेहरों पर भरोसा किया है। एक और प्रभावी कोशिश में उसने करीब एक साल पहले यहां का पूरा मंत्रिमंडल बदल दिया था। यहां तक कि नए मुख्यमंत्री की भी ताजपोशी की गई थी। यह सब इसलिए किया गया, ताकि राज्य सरकार के खिलाफ यदि लोगों में कोई असंतोष है, तो उसको दबाया जा सके। साफ है, यहां भाजपा की कोशिश न सिर्फ चुनाव जीतने, बल्कि बड़े अंतर से मैदान मारने की है। गुजरात चुनाव में आप की उपस्थिति एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। भाजपा एवं कांग्रेस में भारी अंतर्कलह है। नतीजतन, कई बागी नेताओं को आप ने टिकट दिये हैं। निश्चित ही ये बागी अपनी पूर्व पार्टी का नुकसान करेंगे। जाहिर है, इससे यहां चुनावी समीकरण नया रूप लेता दिख रहा है, जिससे मुकाबला कांटे का हो सकता है। आप मुकाबले को तिकोना बना रही है। सबकी नजरें इस बात पर हैं कि यह पार्टी भाजपा और कांग्रेस में से किसके कितने वोट काटती है। कांग्रेस का जोर इस बार रैलियों और आम सभाओं के बजाय डोर टु डोर चुनाव अभियान पर है और उसका दावा है कि यह फलित होगा। मगर बीजेपी के पक्ष में सबसे बड़ी चीज है उसकी मजबूत चुनाव मशीनरी, दूसरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वप्रिय छवि और तीसरा गृहमंत्री अमित शाह का करिश्माई चुनावी प्रबन्धन एवं प्रभाव।

कांग्रेस के पास ऐसी स्थितियों का सर्वथा अभाव है। किसी दौर में भले ही कांग्रेस यहां मजबूत दल हुआ करती थी, लेकिन अब वह काफी कमजोर लग रही है। इसलिये आप को जो भी मजबूती मिलेगी, वह कांग्रेस की कमजोर होती स्थितियों से ही मिलेगी। जाहिर है, कांग्रेस के लिए यहां दोतरफा संघर्ष है। एक तरफ उसे भाजपा से लड़ना है, तो दूसरी तरफ, आप से मिल रही चुनौतियों से पार पाना होगा। बावजूद इसके उसकी चाल सुस्त दिख रही है। इसका फायदा भाजपा को मिलेगा।

मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए मायावती ने जो रणनीति से अखिलेश को नुकसान

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बनाया जा रहा चुनावी प्लान रास नहीं आ रहा है। इसी प्लान का एक हिस्सा मुस्लिम वोटर हैं, जो अभी तक तो समाजवादी पार्टी के साथ है, लेकिन इसी वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद बसपा मुस्लिम वोटरों पर डोरे डालने में लगी है। माया का यही मुस्लिम प्रेम उनके विरोधी और अन्य मुस्लिम वोटों के 'सौदागरों' को रास नहीं आ रहा है, जबकि मायावती मुस्लिम वोटरों को अपने पाले में खींचकर एक बार फिर 2024 के आम चुनाव में वही कारनामा करना चाहती हैं जो उन्होंने 2007 के विधान सभा चुनाव में किया था, जब पहली बार प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की बहुमत वाली सरकार बनी थी। यह और बात है कि तब

बीएसपी ने सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय का नारा दिया था और इसमें मुस्लिम वोटों का 'तड़का' लगाया था। लेकिन हर चुनाव पहले के चुनाव से अलग होता है।

बसपा सुप्रीमो मायावती के मुस्लिम प्रेम के चलते समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के लिए बीते कुछ दिनों का राजनीतिक घटना क्रम तनाव बढ़ाने वाला नजर आ रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पूर्व अखिलेश इस तनाव को दूर नहीं कर पाए तो सपा का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। पिता की मौत और आजम खान को एक मामले में सजा सुनाए जाने से परेशान अखिलेश यादव के लिए नई चुनौती बसपा सुप्रीमो मायावती बनी हुई हैं। मायावती लगातार समाजवादी पार्टी के कद्दावर मुस्लिम नेताओं को अपने पाले में खींच रही हैं। यही वजह है विधानसभा चुनाव के समय जो मुस्लिम वोटर समाजवादी पार्टी के साथ खड़ा हुआ था, अब बसपा की तरफ उसका रुझान देखने को मिल रहा है। पूर्वांचल में आजमगढ़ लोकसभा के उप-चुनाव से यह सिलसिला शुरू हुआ था, वह धीरे-धीरे पश्चिम यूपी में भी पैर पसारने लगा है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी करीब 20 फीसदी है। 403 विधान सभा सीटों के चुनाव में से करीब 150 विधान सभा सीटों पर मुस्लिम वोटर किसी भी प्रत्याशी की जीत-हार को प्रभावित करते हैं तो करीब 50 सीटों पर मुस्लिम वोटर निर्णायक साबित होते हैं। पिछले विधान सभा चुनाव में सपा को लगभग करीब 90 फीसदी मुस्लिम वोटरों का समर्थन मिला था, लेकिन उसे सत्ता नहीं मिली, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर इस बार कैसा है चुनावी मौसम?

हिमाचल प्रदेश का नाम आते ही वहां के मनोहर पर्यटन स्थल आंखों के सामने घूम जाते हैं। हिमाचल की ठंडक, साफ और स्वच्छ हवा, मनमोहक वादियां और लोक संस्कृति सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है। इस समय इस पहाड़ी प्रदेश में विधानसभा चुनावों की सरगर्मियां हैं। लेकिन उसके बावजूद यदि प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों को देखेंगे तो वहां पर्यटकों की ही भीड़ है और पर्यटन कारोबार से जुड़े लोग अपने व्यवसाय में ही व्यस्त हैं। फिर भी ऐसे कई मुद्दे हैं जो यहां के स्थानीय लोगों के लिए मायने रखते हैं। पर्यटन के लिए विश्वविख्यात शहरों धर्मशाला व मैक्लॉडगंज की राजनीति की बात करें तो यहां बहुत से लोगों का मानना है कि उनके सामने अभी कई समस्याएं हैं जिनमें- यातायात जाम, खस्ताहाल सड़कें एवं खराब संपर्क प्रमुख हैं जिनके कारण स्थानीय लोगों के साथ ही यहां आने वाले पर्यटकों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हालांकि यात्रा और आतिथ्य उद्योग से जुड़े लोग राजनीतिक

नेताओं द्वारा प्रस्तावित विकास या भविष्य की गारंटी के दावों पर ध्यान देने के बजाय पर्यटन सीजन के अंतिम चरण के दौरान आगंतुकों का स्वागत करने में अधिक रुचि ले रहे हैं। देखा जाये तो मैक्लॉडगंज में पर्यटन उद्योग कोविड-19 महामारी के बाद उपजे हालातों से उबर रहा है लेकिन यातायात जाम, पार्किंग स्थलों की कमी, खराब सड़कों जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी अब भी यहां बरकरार है और पर्यटकों को भी इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

कल्याणकारी और हितग्राहीमूलक योजनाओं का बेहतर तरीके से किया जाए

प्रभारी मंत्री प्रभारी मंत्री ने की जन सेवा अभियान, खाद की उपलब्धता, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा

❑ रायसेन

सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी और हितग्राहीमूलक योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर तरीके से किया जाए तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचे। कोई भी जरूरतमंद योजनाओं के लाभ से वंचित ना रहे। यह सुनिश्चित करने के लिए ही मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान चलाया गया है। यह बात सहकारिता एवं लोक प्रबंधन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ अरविंद भदौरिया ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान, खाद की उपलब्धता तथा वितरण, सिंचाई तथा विद्युत आपूर्ति की समीक्षा करते हुए कही।

बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी, सिलवानी विधायक रामपाल सिंह तथा भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा भी शामिल हुए। प्रभारी मंत्री डॉ भदौरिया ने मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत आयोजित किए गए शिविरों, प्राप्त आवेदनों के निराकरण तथा पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरण की विभागवार विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिले में खाद की उपलब्धता तथा वितरण की जानकारी लेते हुए कहा कि अभी बोबनी का समय चल रहा है। किसानों को उनकी मांग अनुसार खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निजी खाद विक्रेताओं की दुकानों, गोदामों का नियमित निरीक्षण किया जाए। किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद मिले। उन्होंने नहरों के माध्यम से सिंचाई की स्थिति तथा विद्युत आपूर्ति की समीक्षा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक सुगमता से पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। सरकार प्रत्येक वर्ग के लिए योजनाएं चला रही है। किसी भी पात्र या जरूरतमंद व्यक्ति को योजनाओं के लाभ के लिए परेशान ना होना पड़े। उन्होंने प्राथमिकता के साथ सभी पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में सिलवानी विधायक रामपाल सिंह तथा भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा द्वारा कुछ क्षेत्रों में खाद की उपलब्धता, नियमित और पर्याप्त विद्युत आपूर्ति नहीं होने सहित अन्य विषयों की ओर ध्यान आकृष्ट कराने पर प्रभारी मंत्री डॉ भदौरिया ने कलेक्टर अरविंद दुबे सहित अन्य अधिकारियों को इस संबंध में त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि खाद की उपलब्धता तथा वितरण की मॉनीटरिंग की जाए तथा पारदर्शिता रखी जाए। साथ ही विद्युत आपूर्ति के संबंध में शीघ्र कार्यवाही कर सतत् विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में कलेक्टर दुबे ने मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के बारे में अवगत कराया कि अभियान के तहत जिले के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 511 शिविर आयोजित किए गए जिनमें 158446 आवेदन प्राप्त हुए। इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में कुल 194 शिविर आयोजित किए गए जिनमें 151980 आवेदन प्राप्त हुए। शिविरों में प्राप्त कुल 210420 आवेदनों में से 177466 आवेदन स्वीकृत कर हितलाभ वितरण की कार्यवाही की गई है।

कलेक्टर भार्गव ने विभागो को सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग में सुधार लाने के दिए निर्देश

❑ विदिशा

कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा की। नवीन कलेक्टेट के बेतवा सभागार कक्ष में सम्पन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट समेत समस्त विभागो के जिलाधिकारी तथा व्हीसी के माध्यम से समस्त एसडीएम व खण्ड स्तरीय अधिकारी जुड़े थे। कलेक्टर भार्गव ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों की गहन समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागो के जिलाधिकारियों को जारी विभागीय ग्रेडिंग सूची में सुधार लाने के सख्त निर्देश दिए है। बैठक में बताया गया कि पचास दिवस से अधिक के आवेदनों को सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकरण कराएं खासकर अक्टूबर माह की शिकायतो का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराए जाने से निर्धारित अंको की प्राप्ति होने पर विभाग की ग्रेडिंग सूची में सुधार आएगा।

अनाज का अग्रिम भण्डारण जारी

विदिशा। जिले के राशनकार्डधारको के साथ-साथ पात्रता पर्ची धारक हितग्राहियों को हर माह प्रदाय किए जाने वाले अनाज का अग्रिम माह का भण्डारण कराया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है। कलेक्टर उमाशंकर भार्गव के द्वार सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में उपरोक्त कार्य की भी जानकारियां प्राप्त करते हुए समीक्षा की गई है बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने बताया कि संबंधित कार्डधारको को समय पर अनाज उचित मूल्य दुकानो के माध्यम से प्राप्त हो इसके लिए अग्रिम भण्डारण कराया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है इस माह प्रत्येक हितग्राही को मिलने वाले पांच किलो अनाज में एक किलो गेंहू व चार किलो चावल की मात्रा शामिल है।

खाद वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर। जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर चन्द्र मोहन ढाकुर की अध्यक्षता में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ढाकुर ने विभिन्न विभागों के कामकाज की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभागीय लक्ष्य को समय सीमा में पूर्ण करने के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ढाकुर ने जिले में खाद की उपलब्धता और वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। केवल वितरण व्यवस्था नियमित एवं सुचारू बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाद वितरण व्यवस्था बेहतर बनाए ताकि किसानों को खाद लेने में किसी तरह की परेशानी न हो। बैठक में कलेक्टर ढाकुर ने तहसीलवार तथा समितिवार खाद की उपलब्धता की समीक्षा की। बैठक में कृषि विभाग के उप संचालक केके पाण्डे ने बताया कि जिले में रासायनिक उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।वर्तमान में विपणन संघ के गोदाम में 709 मीट्रिक टन यूरिया, 1288 मीट्रिक टन डीएपी और 108 सहकारी समितियों में 1386 मीट्रिक टन यूरिया, 1529 मीट्रिक टन डीएपी, 574 मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है। इसी तरह राज्य उद्योग विकास निगम के गोदाम में 138 मीट्रिक टन यूरिया, एवं 90 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है। निजी विक्रेताओं के पास 1803 मीट्रिक टन यूरिया एवं 825 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है। कलेक्टर ढाकुर ने आगामी धान उपार्जन के लिए बनाए जाने वाले केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार को पंजीयन का अनिवार्य रूप से सत्यापन करने के लिए कहा। धान उपार्जन के लिए जिले में 22 उपार्जन केन्द्र बनाए गए है। वर्तमान में धान विक्रय के? लिए 11073 किसानों ने पंजीयन कराया है। कलेक्टर ढाकुर ने संबंधित अधिकारियों को उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण करने तथा उपार्जन की पूरी प्रक्रिया को सुगमता से संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ढाकुर ने विगत दिनों जिले में मुख्यमंत्री महोदय द्वारा की गई घोषणाओं तथा विभिन्न व्यक्तियों को आर्थिक सहायता के साथ ही दिए गए सभी निर्देशों पर शीघ्र कार्यवाही करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

मीजल्स रुबेला अभियान को सफल बनाने संबंधित विभाग समन्वित रूप से काम करें : कलेक्टर

❑ सीहोर

मीजल्स रूबेला के तहत टीकाकरण से छूट गए बच्चों के लिए पहला विशेष टीकाकरण सप्ताह 14 से 19 नवंबर तक चलाया जाएगा। इसके बाद द्वितीय विशेष टीकाकरण सप्ताह 19 से 24 दिसंबर तक आयोजित होगा। अभियान के तहत डोर-टू-डोर कैंपेन चलाकर मीजल्स रूबेला के टीकाकरण से छूट गए बच्चों के चिन्हांकन के लिए सर्वे किया जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर चन्द्र मोहन ठाकुर की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर चन्द्र मोहन ठाकुर ने कहा कि जिले से मीजल्स रूबेला को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए माइक्रो प्लान तैयार कर सभी संबंधित विभागों को समन्वित रूप से प्रयास करना होगा। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ब्लॉक स्तर पर टॉस्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित कर कार्ययोजना के तहत इस अभियान का सफल बनाने के लिए पूरी गम्भीरता से कार्य करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हर्ष सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती गुंचा सनोबर, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, एसडीएम अमन मिश्रा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया तथा डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि उपस्थित थे।

खसरा रोग के निर्मूलन तथा रूबेला को नियंत्रित करने के लिए टीका लगाया जाना जरूरी है। खसरा जानलेवा रोग है और यह वायरस की तरह फैलता है। बच्चों में खसरे के कारण विकलांगता और असमय मृत्यु हो सकती है। यह संक्रामक रोग प्रभावित व्यक्ति के खांसने या छीकनें से फैलता है।

भारत की शर्मनाक हार को सचिन ने सिक्के से समझाया, युवराज बोले- टीम इंडिया तुम पर नाज

नई दिल्ली। भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। सेमीफाइनल में भारत को इंग्लैंड ने 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस हार से पूरा देश स्तब्ध है। कई पूर्व क्रिकेटर्स समेत फैन्स टीम इंडिया की जमकर आलोचना कर रहे हैं। फैन्स खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने की भी मांग कर रहे हैं। ऐसे में भारत के दो पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों ने फैन्स से बुरे वक्त में टीम का समर्थन करने की अपील की है। 2011 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे महान सचिन तेंदुलकर और उस साल प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे युवराज सिंह टीम इंडिया के समर्थन में सामने आए हैं।

सचिन तेंदुलकर ने क्या कहा?

सचिन ने इंग्लैंड के खिलाफ मिली करारी हार के बाद ट्वीट कर कहा- एक सिक्के के दो पहलू होते हैं। ऐसा ही जिंदगी के साथ है। अगर हम टीम की जीत को अपनी जीत की तरह सेलिब्रेट करते हैं तो हमें टीम की हार में भी ऐसा ही करना चाहिए। हमें उन्हें स्वीकार करना चाहिए। जिंदगी में ये दोनों चीजें साथ-साथ चलती हैं।

युवराज सिंह ने कही यह बात

वहीं, युवराज सिंह ने लिखा- जब भी हमारी टीम मैदान में उतरती है तो हम हर बार अपनी टीम को जीतते हुए देखना चाहते हैं। हालांकि, यह बात स्वीकार करनी होगी कि कुछ दिन ऐसे भी होंगे जब हमें हमारे मुताबिक परिणाम नहीं मिलेगा। जिस तरह से पूरे टूर्नामेंट में टीम एकजुट होकर खेली, मुझे उस पर गर्व है। अब समय आ चुका है कि हम यह देखें कि कैसे और प्रदर्शन को बेहतर किया जा सकता है और हम मजबूती से वापसी कर सकते हैं।

सेमीफाइनल मैच में क्या हुआ?

सेमीफाइनल मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हरा दिया। उसने 169 रन के लक्ष्य को बिना विकेट गंवाए ही हासिल कर लिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन बनाए। हार्दिक ने 33 गेंदों में 63 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। वहीं, विराट कोहली ने 50 रन बनाए। जवाब इंग्लैंड की टीम ने 16 ओवर में बिना किसी नुकसान के 170 रन बना लिए। इंग्लैंड के लिए एलेक्स हेल्स ने 47 गेंद पर नाबाद 86 रन बनाए। कप्तान जोस बटलर ने 49 गेंद पर 80 रन की पारी खेली।

फाइनल में ये टीमें होंगी आमने-सामने

अब 13 नवंबर को मेलबर्न में पाकिस्तान का सामना इंग्लैंड से है। भारतीय टीम 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से कोई भी आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीत सकी है। 2014 टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया फाइनल में हार गई थी। 2016 में भारत को सेमीफाइनल में शिकस्त मिली थी। 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराया था। वहीं, 2019 वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड की टीम ने भारत को हराया था। 2021 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड से ही टीम इंडिया को शिकस्त मिली थी।

एडिलेड में कोहली-द्रविड़ के साथ डिनर करते दिखे केएल राहुल और अथिया

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो चुकी है। एडिलेड में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हरा दिया। अब 13 नवंबर को मेलबर्न में होने वाले फाइनल में इंग्लैंड का सामना पाकिस्तान से होगा। इस वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के कुछ खिलाड़ी अपने-अपने परिवार वालों के साथ ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे। इनमें सूर्यकुमार यादव, युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, केएल राहुल की गर्लफ्रेंड और बॉलीवुड एक्ट्रेस अथिया शेट्टी भी अपने बॉयफ्रेंड को सपोर्ट करने ऑस्ट्रेलिया गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राहुल और अथिया जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। अथिया इस विश्व कप के कई मैचों में टीम इंडिया और राहुल को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंचीं थीं। अब एक और तस्वीर सामने आई है, जिसमें एडिलेड में राहुल और अथिया भारतीय टीम के बाकी सदस्यों के साथ डिनर करते नजर आ रहे हैं। राहुल की टेबल पर विराट कोहली, हेड कोच राहुल द्रविड़, बॉलिंग कोच पारस म्हाम्ब्रे और दिनेश कार्तिक नजर आ रहे हैं। बाकी टीम भी अन्य टेबलों पर बैठी नजर आ रही है। हाल ही में अथिया ने ऑस्ट्रेलिया में ही अपना जन्मदिन भी मनाया था। इस मौके पर राहुल ने अथिया के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर की थीं। अथिया बॉलीवुड के

दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी की बेटी हैं। फिल्मी करियर की बात करें तो अथिया शेट्टी ने आठ साल में केवल पांच फिल्मों में काम किया है। अथिया ने अपने करियर की शुरूआत साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म हीरो से की थी, जिनमें अभिनेत्री सूरज पंचोली के साथ नजर आई थीं। इसके बाद वह मुबारकां नवाबजादे, मोतीचूर चकनाचूर और तड़प जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। अथिया और केएल राहुल की लव स्टोरी की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी। हालांकि, तब उन्होंने इस बात को मीडिया में लीक नहीं होने दी कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। फिर दोनों ने जब सोशल मीडिया पर एक दूसरे को बर्थडे विश करना शुरू किया, तब उनके रिलेशनशिप में होने के कयास लगाए जाने लगे थे।

पांच बार की चैंपियन ब्राजील की टीम घोषित

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

ब्राजील ने आगामी फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए 26 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। पांच बार की चैंपियन टीम ने दल में 39 वर्षीय डिफेंडर दानी एल्वेस को भी चुना है। वहीं, इंग्लैंड के क्लब लिवरपूल की ओर से खेलने वाले स्ट्राइकर रोबर्टो फिर्मिनो को बाहर रखा गया है। ब्राजील के कोच टिटे ने सोमवार (सात नवंबर) को टीम की घोषणा की।

एल्वेस वर्ल्ड कप टीम में चुने जाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व डिफेंडर डालमा सांतोस का रिकॉर्ड तोड़ा। सांतोस जब 1966 में वर्ल्ड कप के लिए चुने गए थे तब उनकी उम्र 37 साल थी। ब्राजील 2002 के बाद से वर्ल्ड कप नहीं जीत पाया है। दानी एल्वेस ने अपने करियर में 44 ट्रॉफी जीते हैं। वह वर्ल्ड कप को भी अपनी झोली में डालना चाहेंगे। स्पेन के क्लब बार्सिलोना के लिए लंबे समय तक खेलने वाले एल्वेस फिलहाल मैक्सिको के क्लब प्यूमास की ओर से खेलते हैं। इस सीजन में वह टीम के लिए 12 मैच खेल चुके हैं।

टीम में नहीं चुने जाने वाले रोबर्टो फिर्मिनो इस सीजन में खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। उन्होंने लिवरपूल के लिए 12 प्रीमियर लीग मैचों में सिर्फ छह गोल किए हैं। उन्हें पिछली बार ब्राजील के लिए खेलने के लिए सितंबर में चुना गया था। फिर्मिनो के ऊपर आर्सेनल की ओर से खेलने वाले गेब्रियल जेसुस और गेब्रियल मार्टिनेली को तरजीह दी गई है। फिर्मिनो के अलावा एस्टन विला के स्ट्राइकर फिलिप कुटिन्हो को भी

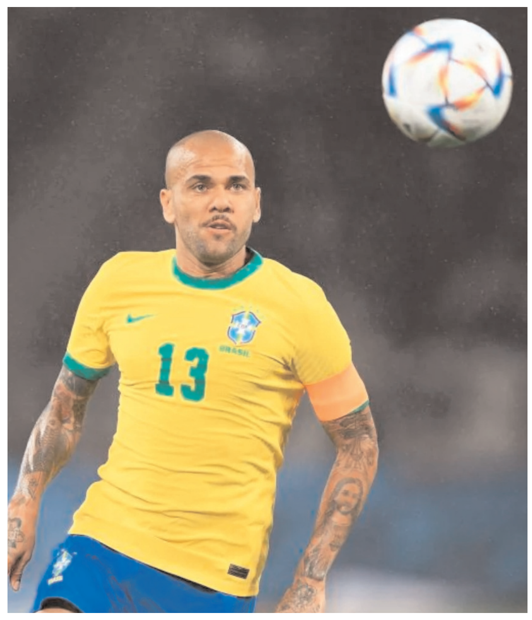

नहीं चुना गया है। वह पिछले हफ्ते चोटिल हो गए थे। ब्राजील के पास इस बार पेरिस सेंट जर्मेन के स्टार नेमार जूनियर के साथ टॉटेनहम हॉटस्पर के रिचार्लसन और रियल मैड्रिड के विनीसियस जूनियर की तिकड़ी है। दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में गिने जाने वाले नेमार इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं। वहीं, रिचार्लसन और विनिसियस अपनी-अपनी टीमों के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

सिडनी में पाकिस्तान से बदला लेने उतरेगी न्यूजीलैंड की टीम

सिडनी। टी20 विश्वकप का पहला सेमीफाइनल न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच आज (बुधवार नौ नवंबर को) खेला जाना है। विश्वकप में टी20 हो या फिर वनडे न्यूजीलैंड की टीम सेमीफाइनल में पाकिस्तान से कभी नहीं जीत पाई है। केन विलियम्सन की अगुवाई वाली कीवी टीम इस सिलसिले को तोड़ना चाहेगी। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान 1992 और 1999 के वनडे विश्व कप में आमने-सामने आए थे। इसके बाद 2007 के टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में भी दोनों टीमों का सामना हुआ था और तीनों मैच पाकिस्तान ने जीते। कीवी टीम इन तीन हार का बदला लेने के लिए सिडनी में उतरेगी। इस बार न्यूजीलैंड की टीम शानदार फॉर्म में हैं। इंग्लैंड, मेजबान ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और अफगानिस्तान, आयरलैंड की मौजूदगी वाले ग्रुप ऑफ डेथ (ग्रुप-1) में न्यूजीलैंड की टीम शीर्ष पर रही थी। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी और गेंदबाजी पाकिस्तान की अपेक्षा ज्यादा संतुलित है। हालांकि किस्मत के सहारे सेमीफाइनल में पहुंची पाकिस्तान की टीम हाथ आए मौके को गंवाना नहीं चाहेगी। 2009 की चैंपियन पाकिस्तान की टीम छठी बार सेमीफाइनल खेलने जा रही है और तीसरी बार टी20 विश्वकप के फाइनल में जगह बनाना चाहेगी।

एबी डिविलियर्स ने भी माना सूर्यकुमार हैं नए मिस्टर 360

एजेंसी ▪ मेलबर्न

जिम्बाब्वे के खिलाफ सूर्यकुमार यादव के स्कूप शॉट ने दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों को अपना दिवाना बना दिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी ओवर में सूर्यकुमार ने ऑफ स्टंप के बाहर वाइड जा रही गेंद को स्कूप कर फाइन लेग के ऊपर से छक्के के लिए भेजा था। इसके बाद से सोशल मीडिया पर एक बार फिर %मिस्टर 360% को लेकर बहस छिड़ गई। मिस्टर 360 उस खिलाड़ी को कहा जाता है जो मैदान के किसी भी कोने में छक्का लगाने में माहिर हो। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स इसमें माहिर माने जाते थे।

अब दुनिया के नंबर वन टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार के नाम से इस उपाधि को जोड़ा जा रहा है। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के बाद जब सूर्यकुमार से इस बारे में पूछा गया कि क्या वह वाकई %मिस्टर 360% हैं? साथ ही उनसे डिविलियर्स से तुलना के बारे में पूछा गया। इस पर सूर्यकुमार ने जवाब दिया- दुनिया में सिर्फ एक (डिविलियर्स) 360 डिग्री प्लेयर है और मैं कोशिश करूंगा कि मैं उनकी तरह खेल सकूं। अब उनके इस बयान पर डिविलियर्स की प्रतिक्रिया सामने आई है। डिविलियर्स ने सूर्यकुमार के इस बयान पर जवाब देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा- आप जल्द ही इस मुकाम (मिस्टर 360) तक पहुंच रहे हैं और आपमें उससे आगे निकलने की क्षमता है। जिम्बाब्वे के खिलाफ आपने शानदार बल्लेबाजी की।

भारत ने रविवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी ग्रुप स्टेज के मैच में 25 गेंदों पर नाबाद 61 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। अपनी पारी में सूर्या ने छह चौके और चार छक्के जड़े थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 244 का रहा था। सूर्यकुमार की यह इस टूर्नामेंट की तीसरी फिफ्टी रही। इससे पहले वह नीदरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी अर्धशतक जड़ चुके हैं। भारत को अब 10 नवंबर को इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड ओवल में सेमीफाइल खेलना है। लोगों को सूर्यकुमार से एकबार फिर बड़ी पारी की उम्मीद होगी।

शिकायत नियामक संस्था के सामने दो वकीलों ने दायर की है

प्रतिस्पर्धा आयोग स्मार्ट टीवी को लेकर गूगल पर लगा सकता है जुर्माना, इस साल 2 बार लगा चुका

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग एक बार फिर दिग्गज टेक कंपनी गूगल पर कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। इस बार यह जुर्माना स्मार्ट टीवी में मौजूद उसके ऑपरेटिंग सिस्टम को लेकर लगाया जा सकता है। गूगल पर आरोप है कि वह बाजार पर प्रभुत्व जमाने के लिए गलत हथकंडे अपनाता है। इस बाबत शिकायत मिलने के साल भर बाद अब गूगल पर एक माह में तीसरे बड़े जुर्माने की तलवार लटक रही है।इस मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि प्रतिस्पर्धा आयोग के महानिदेशक कार्यालय ने जांच करके अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।

बता दें कि पिछले एक महीने में ही नियामक संस्था ने अमेरिकी की बड़ी टेक कंपनी गूगल पर 2,000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा दिया है। प्रतिस्पर्धा आयोग को जून 2021 में मिली शिकायत में आरोप लगाए गए थे कि स्मार्ट टीवी में एंड्रॉयड सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल को लेकर गूगल ने बाजार पर प्रभुत्व जमाने की कोशिश की है। यह शिकायत नियामक संस्था के सामने दो वकीलों ने दायर की है। मामले को करीब से जानने वाले एक शख्स ने बताया है कि नियामक संस्था इन आरोपों की जांच कर रही है कि गूगल ने हर स्मार्ट टीवी बनाने वाली कंपनी को अपने साथ लाइसेंस एग्रीमेंट करने के लिए बाध्य किया है या नहीं। हर स्मार्ट टीवी बनाने वाले को अपने टीवी में एक ऑपरेटिंग सिस्टम डाल कर देना होता है।

इनमें से एक एप है गूगल का प्ले स्टोर। अगर किसी टीवी कंपनी को गूगल प्ले को अपने टीवी में डलवाना है तो इसके लिए कंपनी को गूगल के साथ लाइसेंस एग्रीमेंट करना होता है। दूसरी तरफ टीवी बनाने वाली जो कंपनियां गूगल के साथ एग्रीमेंट नहीं करती हैं उन्हें गूगल प्ले स्टोर उपलब्ध नहीं कराता। गूगल प्ले ही वह टूल है जिसके जरिये एप डाउनलोड किए जाते हैं। इन एप के जरिये ही टीवी पर ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसी सेवाओं तक पहुंचना मुमकिन हो पाता है।

एनपीए घटाने की कोशिशों से सरकारी बैंकों का लाभ 50 प्रतिशत बढा: वित्त मंत्री

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

सरकार के एनपीए घटाने के प्रयासों का असर सरकारी बैंकों के मुनाफे पर दिखने लगा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा, एनपीए घटने से सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में संयुक्त रूप से 50 फीसदी बढ़कर 25,685 करोड़ रुपये पहुंच गया। 2022-23 की पहली छमाही में इन बैंकों का शुद्ध लाभ 32 फीसदी बढ़कर 40,991 करोड़ रुपये पहुंच गया। सीतारमण ने ट्वीट में कहा, एनपीए को कम करने एवं सरकारी बैंकों की वित्तीय स्थिति को और मजबूत करने के लिए सरकार के निरंतर प्रयास ठोस परिणाम दिखा रहे हैं। हालांकि, पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ इंडिया का मुनाफा 9 से 63 फीसदी घटा है। डूबे कर्ज के लिए ऊंचे प्रावधान की वजह से इनके मुनाफे में कमी आई है।

केनरा बैंक: शुद्ध लाभ 89त्न बढ़कर 2,525 करोड़ रुपये।? यूको बैंक:145 फीसदी बढ़कर 504 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ऑफ बड़ौदा:58.70त्न बढ़कर 3,312.42 करोड़ रुपये। 10 अन्य बैंकों का लाभ 13 से 145 प्रतिशत बढ़ा है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र को 103 फीसदी ज्यादा मुनाफा हुआ है।

रुपये को धीरे-धीरे कमजोर होने दे आरबीआई विदेशी मुद्रा भंडार का हो उचित उपयोग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा, आरबीआई को रुपये को धीरे-धीरे कमजोर होने देना चाहिए। विदेशी मुद्रा भंडार का सही तरीके से उपयोग करना चाहिए। उनकी इस टिप्पणी को सरकार की पहली आधिकारिक टिप्पणी के रूप में भी देखा जा रहा है क्योंकि इस साल की शुरुआत में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट को लेकर चिंताएं सामने आई थीं।

सीईए ने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है, जब केंद्रीय बैंक रुपये की गिरावट थामने के लिए 110 अरब डॉलर से अधिक की बिकवाली कर चुका है।? उन्होंने कहा, हमें विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाना चाहिए। फिर भी किसी भी चुनौती से निपटने के लिए दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था के पास विदेशी मुद्रा का पर्याप्त भंडार है। उन्होंने कहा, व्यापार घाटे पर काबू पाना इस साल की प्राथमिक चुनौती होगी। 21 अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स) घटकर जुलाई, 2020 के बाद दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गया था।

हालांकि, 28 अक्तूबर वाले सप्ताह में यह बढ़कर 531 अरब डॉलर पहुंच गया।?इस वृद्धि के बाद भी यह 645 अरब डॉलर के उच्च स्तर से काफी कम है। उन्होंने कहा, कई?वैश्विक संकट के बावजूद 2022-23 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.5-7.4 फीसदी रह सकती है। हालांकि, आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए व्यापार घाटे पर ध्यान देने की जरूरत है।

एलन मस्क ने टेस्ला के 19.5 मिलियन शेयर बेचे

वाशिंगटन। ट्विटर पर अधिग्रहण के बाद दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने अपनी कंपनी टेस्ला को लेकर बड़ा फैसला किया है। उन्होंने टेस्ला के 19.5 मिलियन शेयर बेच दिए हैं। इन शेयरों की कीमत 3.95 बिलियन डॉलर है। टेस्ला को लेकर किए गए फैसले के बाद मस्क की नेटवर्थ में भी बड़ी गिरावट आई है। उनकी नेटवर्थ 200 बिलियन डॉलर के नीचे पहुंच गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेस्ला के निवेशकों का मानना है कि ट्विटर पर अधिग्रहण के बार मस्क वहां ज्यादा व्यस्त हैं। ऐसे में इसका असर टेस्ला के शेयरों पर पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला के शेयर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। हालांकि, मस्क अभी भी दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। इस महीने की शुरुआत में मस्क की संपत्ति 223.8 अरब डॉलर आंकी गई थी। अब खबर है कि बीते दो दिनों में मस्क की संपत्ति करीब 10 अरब डॉलर घटी है।

त्योहारी मांग से वाहनों की खुदरा बिक्री दर 48 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

त्योहारी सीजन में मजबूत मांग से अक्तूबर में वाहनों की खुदरा बिक्री 48 फीसदी बढ़कर 20,94,378 इकाई पहुंच गई। पिछले साल अक्तूबर में खुदरा बाजार में 14,18,726 वाहन बिके थे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अक्तूबर में यात्री, वाणिज्यिक, दोपहिया, ट्रैक्टर और तिपहिया वाहनों का प्रदर्शन अक्तूबर, 2021 से बेहतर रहा। इस दौरान वाहनों का पंजीकरण भी कोरोना पूर्व स्तर यानी अक्तूबर, 2019 की तुलना में 8 फीसदी अधिक रहा है।फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि अक्तूबर त्योहारों का महीना रहा। इस दौरान सभी श्रेणियों की डीलरशिप पर वाहनों की काफी मांग देखी गई। उन्होंने कहा कि अगर 2019 के कोविड-पूर्व महीने की तुलना करें तो इस साल अक्तूबर में सभी श्रेणी के वाहनों की खुदरा बिक्री छह फीसदी बढ़ी है। दोपहिया वाहनों की बिक्री भी कोरोना पूर्व स्तर से 6 फीसदी ज्यादा रही। एजेंसी इस साल 42 दिन की त्योहारी अवधि में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 29 फीसदी बढ़कर 28,88,131 इकाई पहुंच गई। पिछले साल अक्तूबर में यह आंकड़ा 22,42,139 इकाई था।

घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला

सेंसेक्स 150 अंक उछला, निफ्टी 18250 के पार

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को मजबूती के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सुबह नौ बजकर 20 मिनट पर सेंसेक्स 134.75 अंकों की बढ़त के साथ 61,319.90 अंकों पर कारोबार करता दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी इंडेक्स 55.20 अंकों की मजबूती के साथ 18258.00 अंकों पर कारोबार कर रहा है। अमेरिका में मिड टर्म चुनावों के बीच शेयर बाजार में अच्छी तेजी दिख रही है। दो दिनों में डाऊ 750 अंक और नैस्डेक करीब 150 अंकों तक उछला है। वहीं दूसरी ओर, एसजीएक्स उछलकर 18400 के पास कारोबार कर रहा है। डाऊ फ्यूचर्स में 50 अंकों की कमजोरी है। वहीं दूसरी ओर, एसजीएक्स निफ्टी भी मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। इसस पहले सोमवार को घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुए थे। उस दौरान सेंसेक्स में 235 अंकों की तेजी दिखी थी और यह 61185 अकों के लेवल पर व निफ्टी 18202 अंकों के स्तर पर कारोबार कर रहा था। मंगलवार को गुरु नानक जयंती के मौके पर बाजार बंद था।

डॉलर के मुकाबले 49 पैसे मजबूत हुआ रुपया

रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 49 पैसे मजबूत होकर 81.43 रुपये पर पहुंच गया है।

जीएसटी में सिर्फ एक दर से मुकदमेबाजी और प्रशासनिक अनुपालन का बोझ घटेगा: बिबेक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन बिबेक देबरॉय ने सोमवार को कहा कि जीएसटी प्रणाली में सिर्फ एक दर होनी चाहिए। इससे मुकदमेबाजी कम होगी और प्रशासनिक अनुपालन बढ़ेगा। हालांकि, मुझे नहीं लगता है कि कभी ऐसा होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी इस राय को ईएसी-पीएम का सुझाव नहीं माना जाए। ईएसी-पीएम के चेयरमैन ने कहा कि अभिजात्य प्रकृति व अधिक उपभोग वाले उत्पादों पर कर की अलग-अलग दरें हटा दी जाएं तो इससे मुकदमेबाजी कम होगी। इसलिए हमें यह समझने की जरूरत है कि उत्पाद कोई भी हो, जीएसटी दर एक होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि कॉरपोरेट कर और व्यक्तिगत आयकर के बीच कृत्रिम अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए। इससे प्रशासनिक अनुपालन का बोझ कम होगा। उन्होंने कहा, कर चोरी गैरकानूनी है, लेकिन छूट के प्रावधान के जरिये कर से बचाव कानूनी रूप से सही है। उन्होंने कहा, जितना हम कर छूट देंगे, यह उतना जटिल बनेगा। कराधान प्रणाली छूट रहित होनी चाहिए। सरकार से जीडीपी के 5-5.5 फीसदी के बराबर कर छूट मिलती है। प्रगतिशीलता दिखाना चाहते हैं तो यह प्रत्यक्ष करों के जरिये होनी चाहिए, जीएसटी या अप्रत्यक्ष करों से नहीं। केंद्र-राज्यों का कर संग्रह जीडीपी का महज 15त्न है, जबकि सार्वजनिक ढांचे पर खर्च की मांग कहीं ऊंची है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)